मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 9 दिसंबर 2024

संवत 2081, मार्गशीर्ष शुक्ल 8- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 93 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

'पुष्पा-2' ने की पहले तीन दिन में रिकॉर्ड कमाई, विश्व में पांच सौ का आंकड़ा पार ◀◀ 6

मुर्शिदाबाद में भीषण धमाका

देसी बम बनाते समय हुआ विस्फोट तीन की मौत, ढहा मकान

मुर्शिदाबादः पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से विस्फोट की एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां देसी बम बनाते समय एक बड़ा धमाका हो गया। इस विस्फोट की चपेट में आकर 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में इस बम धमाके से 3 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार एक घर में अवैध तरीके से देसी बम बनाए जा रहे थे। इसी दौरान एक बम फट गया और 3 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी।

अब तक मिली जानकारी के अनुसार जिले के खैरतला निवासी मामून मुल्ला के घर में रविवार देर रात अवैध बम बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान ये हादसा हुआ, जिसके चलते काम कर रहे 3 लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस दल को तैनात किया गया है।

मृतकों की पहचानः पुलिस ने मृतकों की पुष्टी कर ली है। मृतकों के नाम मामून मुल्ला, सकीरुल सरकार और मुस्तकीन शेख बताए जा रहे हैं। इनमें मुस्तकीन सिख मेहताब कॉलोनी इलाके के रहवासी है। तो वहीं मामून मुल्ला और सबिरुल सरकार का घर खैरतला इलाके का रहवासी है। वे रात के अंधेरे में घर के अंदर बम बना रहे थे। इस घटना में घायल हुए लोग तुरंत मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले की जांच करते की और तीनों को हाल ही में फेंसेडिल की तस्करी में संलिप्त पाया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, स्थानीय लोग मामोन मोल्ला और सकीरुल सरकार को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले गए, लेकिन दोनों की रास्ते में ही मौत हो गई। फिलहाल, इस इलाके में भारी संख्या में पुलिस दल को तैनात किया गया है और साथ ही बम निरोधक दस्ता भी घटना स्थल की पूरी तरह से जांच कर रहा है।

सीआरपीएफ कैंप में तैनात जवान की गोली लगने से मौत

रांची/धनबादः सीआरपीएफ कैंप में तैनात जवान की गोली लगने से मौत हो गयी है। यह घटना सोमवार की सुबह धनबाद के टुंडी प्रखंड मुख्यालय स्थित सीआरपीएफ कैंप में हुई है। जहां पदस्थापित सैट के हवलदार नंदकिशोर की गोली लगने से मौत हुई है। जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की या फिर हथियार साफ करने के दौरान हादसा हुआ, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। घायल हवलदार नंदकिशोर को गोली लगने के बाद आनन फानन में एसएनएमएमएस धनबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी अजीत कुमार और सरायढेला थाना दल बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। सिटी एसपी ने बताया कि सैट हवलदार नंदकिशोर सिंह की मौत गोली लगने से हुई है। गोली दुर्घटनावश चली है या फिर कोई और वजह है, पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। फिलहाल नंदकिशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के बारे में और स्पष्ट जानकारी मिलेगी।

बता दें कि हवलदार नंदकिशोर सिंह पलामू जिले के लेस्लीगंज का निवासी था और वह पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र स्थित सीआरपीएफ कैंप में तैनात था। नंदकिशोर अपनी जिम्मेदारी को लेकर हमेशा सतर्क और कर्तव्यनिष्ठ रहता था। उनकी आकस्मिक मौत से परिवार और साथी जवानों में शोक की लहर है ।स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। हालांकि यह घटना सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी चेतावनी है। जवान हथियारों की सफाई और देखभाल के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरते।

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र

पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ रबींद्रनाथ महतो का स्पीकर बनना तय, चुनाव कल

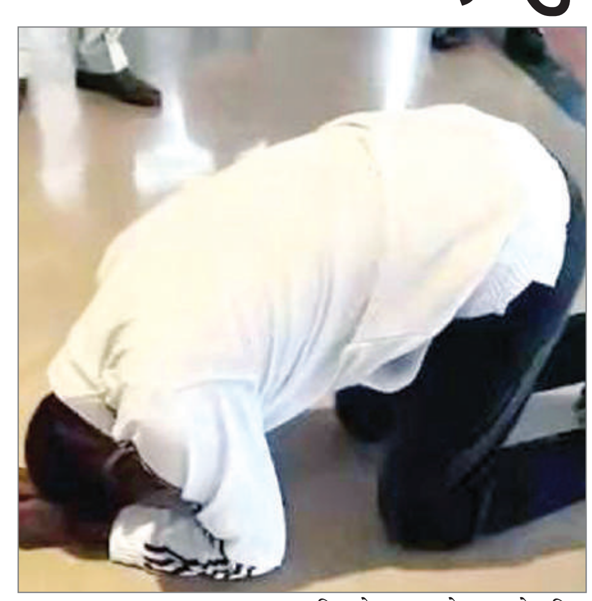

- नंगे पांव विधानसभा पहुंचे जयराम महतो, चौखट पर टेका माथा
- सदन में 80 विधायकों ने ली शपथ
- कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक स्थगित

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र की सोमवार को शुरूआत हो गई। पहले दिन सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। इसके बाद कार्यवाही को मंगलवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले स्पीकर कक्ष में प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी का सीएम हेमंत सोरेन ने अभिवादन किया। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रोटेम स्पीकर का अभिवादन किया। दिन के 11 बजकर 15 मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने ने 80 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मंत्रियों को शपथ दिलाई गयी। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। स्टीफन मरांडी मंगलवार को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन ने सबसे पहले ली शपथ : स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन को शपथ दिलायी। इसके बाद राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, बोरियो विधायक धनजंय सोरेन, लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, पाकुड विधायक निसात आलम, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, नाला विधायक रविंद्र नाथ महतो, दुमका विधायक बसंत सोरेन समेत 80 विधायकों ने झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

10 को स्पीकर का होगा चुनावः स्पीकर का चयन 10 दिसंबर को किया जायेगा। रविवार को हुई इंडी गठबंधन की बैठक में स्पीकर के लिए रवींद्र नाथ महतो के नाम पर सहमति बन चुकी है। 11 दिसंबर को दिन के 11:30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जायेगा। 12 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद, सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

किसानों को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका, अभी बंद रहेगा शंभू बॉर्डर

नई दिल्लीः एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन पर दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट पहले से ही इस मामले की सुनवाई कर रहा है। मामले पर दायर याचिका में केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकार को शंभू बॉर्डर समेत हाईवे खोलने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि इस तरह से हाईवे को अवरुद्ध करना लोगों के मौलिक अधिकारों के खिलाफ है और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम और बीएनएस के तहत भी अपराध है।

याचिका में कहा गया है कि ऐसी स्थिति में राजमार्ग को अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट को प्रदर्शनकारी किसानों को राजमार्ग से हटाने के लिए केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकारों को निर्देश जारी करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मुद्दे पर दायर नई याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहता। पिछले हफ्ते पुलिस ने 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करने वाले किसानों को तितर-बितर करने के लिए पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच बहस हो गई और ड्रोन फुटेज में पुलिस को सीमा पर किसानों को रोकते हुए दिखाया गया।

हरियाणा पुलिस के अनुसार, आगे बढ़ रहे किसानों का समूह उन 101 किसानों की सूची से मेल नहीं खाता, जो उन्हें दी गई थीं, जिन्हें आज के मार्च में भाग लेना था। म पहले उनकी (किसानों की) पहचान करेंगे और फिर हम उन्हें आगे जाने की अनुमति दे सकते हैं। हमारे पास 101 किसानों के नामों की एक सूची है, और वे वे लोग नहीं हैं। वे हमें उनकी पहचान नहीं करने दे रहे हैं।

दिल्ली के 40 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, 30,000 डॉलर की मांग

केजरीवाल ने साधा अमित शाह पर निशाना

नई दिल्लीः दिल्ली के 40 से अधिक स्कूलों को मिले धमकी भरे ईमेल में 30,000 डॉलर की मांग की गई और भुगतान नहीं करने पर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई। पुलिस ने कहा कि एहतियात के तौर पर बच्चों को घर भेज दिया गया है। दिल्ली के कई स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, आरके पुरम में दिल्ली पब्लिक स्कूल और पश्चिम विहार में जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल ने सबसे पहले ईमेल के जरिए इसकी सूचना दी। स्कूलों को प्राप्त मेल में लिखा था कि बम छोटे हैं और बहुत अच्छी तरह से छिपे हुए हैं, साथ ही यह भी कहा गया है कि वे इमारत को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। समाचार एजेंसी एएनआई ने दिल्ली पुलिस के हवाले से कहा कि मैंने (स्कूल) इमारतों के अंदर कई बम लगाए। बम छोटे हैं और बहुत अच्छे से छिपाए गए हैं। इससे इमारत को ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन बम फटने से कई लोग घायल हो जाएंगे। अगर मुझे 30,000 डॉलर नहीं मिले तो मैं बम विस्फोट कर दूंगा।

राइजिंग राजस्थान समिट में बोले पीएम मोदी

रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए भारत का हो रहा विकास

जयपुरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को संबोधित किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया का हर निवेशक भारत को लेकर उत्साहित है। मोदी ने कहा कि राजस्थान की विकास यात्रा में आज एक और अहम दिन है। देश और दुनिया से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि और निवेशक यहां पधारे हैं। यहां उद्योग जगत के भी अनेक साथी मौजूद हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में आप सभी का अभिनंदन है। मैं राजस्थान की भाजपा सरकार को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई दूंगा।

मोदी ने आगे कहा कि आज दुनिया का हर विशेषज्ञ, हर निवेशक भारत को लेकर बहुत ही उत्साहित है। रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए भारत ने जो विकास किया है, वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद, सात दशक में भारत, दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले 10 वर्ष में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और वितरण की शक्ति क्या होती है, ये भारत की सफलता से पता चलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में जैसे डायवर्स देश में लोकतंत्र इतनी सशक्त हो रही है, ये अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेटिक रहते हुए मानवता का कल्याण, भारत का मूल चरित्र है। आज भारत की जनता अपने डेमोक्रेटिक हक के माध्यम से भारत में स्थिर सरकार के लिए वोट कर रही है। मोदी ने कहा कि भारत के इस पुरातन संस्कार को हमारी युवा शक्ति आगे बढ़ा रही है। आने वाले अनेक वर्षों तक भारत, दुनिया के सबसे युवा देशों में रहने वाला है। भारत में युवाओं का सबसे बड़ा पुल होने के साथ ही सबसे बड़ा स्किल्ड युवा वर्ग भी होगा। इसके लिए सरकार एक के बाद एक कई फैसले ले रही है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये सदी तकनीक-संचालित, डेटा-संचालित सदी है। भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र, हर वर्ग को फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका नुकसान राजस्थान उठा चुका है। आज हमारी सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर चल रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ हमारे राजस्थान को हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

चेंबर ने उद्योग एवं श्रम मंत्री से मुलाकात कर दी बधाई

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल परेश गट्टानी के नेतृत्व में नवगठित मंत्रिपरिषद् में उद्योग एवं श्रम मंत्री का प्रभार ग्रहण करने पर मंत्री संजय कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें व्यापार व उद्योग जगत की ओर से बधाई दी। चेंबर ने राज्य के औद्योगिक विकास व रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभाग द्वारा किये जानेवाले प्रयासों में सकारात्मक सहभागिता के लिए, मंत्री को आश्वस्त किया। चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने श्रम विभाग द्वारा राज्य में प्रभावी किये गए न्यूनतम मजदूरी दर को अव्यवहारिक बताते हुए, उद्योग एवं श्रमिकों के हित में इसमें संशोधन के लिये विचार का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य में किस प्रकार रोजगार के नये अवसर बढ़ें। प्रतिनिधिमंडल ने श्रम कानूनों में जटिलता, फैक्ट्रियों में वर्कर्स और नियोजकों के बीच आपसी विवाद, लाईसेंसिंग प्रणाली में जटिलता के कारण औद्योगिक इकाईयों के संचालन में होनेवाली कठिनाईयों के साथ ही राज्य में रुग्ण होते उद्योगों के रिवाईवल के लिये सरकार के स्तर से आवश्यक हस्तक्षेप पर भी वार्ता की। कहा कि विभाग, नियोजक और श्रमिकों के संयुक्त प्रयास से ही हम अपने राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में शीर्ष पायदान पर लाने में सफल हो सकते हैं। राज्य के विकास से जुड़े बिंदुओं पर व्यापारियों और उद्यमियों के साथ चेंबर भवन में आकर विमर्श करने के लिए भी मंत्री ने चेंबर को भरोसा दिलाया. प्रतिनिधिमंडल में चेंबर के कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष धीरज तनेजा, श्रम उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत शामिल थे।

संत जेवियर कॉलेज में क्रिसमस गैदरिंग युवाओं ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

रांची: संत जेवियर कॉलेज में हीरा बरवे छात्र संघ के बैनर तले रविवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के प्रदेश महासचिव प्रवीण कच्छप शामिल हुए। युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि पापों से पश्चाताप करें। चाहे पढ़ाई, राजनीति, नौकरी हो ईमानदारी पूर्वक करें। समाज के दबे कुचले लोगों और जरूरतमंदों की हमेशा मदद करें। यही हमारे लिए सच्ची क्रिसमस होगी। मुख्य अतिथि फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि क्रिसमस के त्योहार में जीवन खुशियों से भरा रहता है। हो और छात्र जीवन की जो भी अभिलाषाएं हैं, वह पूरी हो। प्रोफेसर अरुण तिग्गा ने अपने संदेश में कहा कि यीशु मसीह एक जाति के लिए नहीं वरन पूरी मानव जाति के लिए आया। वह शांति, प्रेम, दया का राजकुमार है। मौके पर फादर संजय तिग्गा, फादर लिबिन केरकेट्टा, फेबियन एक्का, बिपिन कुजूर, प्रो। बुंदीप लकड़ा, अनुप गाड़ी, अजय लकड़ा, चार्ल्स मिंज, डा कीर्ति मिंज व डॉन बास्को कुजूर समेत अन्य शामिल थे।

मनिका में ट्रक व कार की टक्कर, दो घायल

लातेहार: मनिका थाना क्षेत्र के नदबेलवा मोड़ के पास रविवार को ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे कार में सवार दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कार पलामू के बिजली विभाग एसडीओ की बताई जा रही है। जिसमें बिजली विभाग के एसडीओ दामोदर कुमार सिंह व अंगद कुमार सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार थाना व एसआई मनोज कुमार दुबे समेत पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पुलिस प्रशासन के द्वारा घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उनका प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर देर शाम जानकारी मिली कि दोनों घायलों की स्थिति सामान्य है।

होटल में लगी आग, सारे सामान जल कर खाक

मेदिनीनगर : पांकी मस्जिद चौक कब्रिस्तान कॉम्प्लेक्स स्थित होटल में अचानक आग लगने से सारे सामान जल गए। इससे दुकानदार को लगभग एक लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ। भुक्तभोगी दुकानदार संझलु अंसारी ने बताया कि आग दुकान में कैसे लगी पता नहीं चल पा रहा है। दुकान में खाद्य सामग्री के साथ होटल में रखा हुई नकद राशि के साथ रोजमर्रा के आवश्यक सामान भी थे, जो जलकर राख हो गये। भुक्तभोगी ने पलामू उपायुक्त से मुआवजे की मांग की है। इस घटना से दुकानदार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया। वह अपने परिवार का भरण पोषण होटल से कर रहा था।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का दावा

'2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत'

मेट्रो रेज

जमशेदपुर: केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जमशेदपुर के एक्सएलआरआई-स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्लेटिनम जुबली समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां अपने संबोधन में बताया कि भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भारत पांचवें स्थान पर है और अगले तीन वर्षों में देश तीसरे स्थान पर होगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 75 साल पहले जब एक्सएलआरआई अस्तित्व में आया था तब भारत की गिनती अर्थव्यवस्था में नहीं होती थी। आज हम तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ निया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम अगले तीन वर्षों में पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। हमारी अर्थव्यवस्था 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, हमें वेल्थ क्रिएटर, जॉब क्रिएटर बनना है। हमारे पास लाखों नौकरियां पैदा करने की क्षमता है। दुनिया डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए भारत की ओर देख रही है। दुनिया में 46 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन हमारे देश में होता है। हम सर्विस सेक्टर में आत्मनिर्भर हो गये हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति का गठन धन और रोजगार पैदा करने के मकसद से किया गया है। उन्होंने छात्रों को देश को एक मेगा पावरहाउस और दुनिया की प्रेरक शक्ति बनाने में रचनात्मक भूमिका निभाने की सलाह दी।

पुलिस ने बिजली विभाग के फर्जी कर्मचारियों को पकड़ा

कनेक्शन काटने की धमकी देकर करते थे ठगी

गिरिडीह : जिला पुलिस ने बिजली विभाग के फर्जी अधिकारियों को रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। गिरिडीह के एसपी डॉ बिमल कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना की पुलिस ने गांडेय थाना पुलिस के सहयोग गांडेय थाना क्षेत्र के डाकबंगला के समीप छापेमारी अभियान चलाकर तीन ऐसे शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जो लोगों को फर्जी बिजली विभाग का अधिकारी बनकर बिजली कनेक्शन काटने और बिजली बिल जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटने के साथ-साथ कार्रवाई करने की धमकी देकर लोगों को चूना लगाने का काम करते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के पदनिया निवासी पंकज कुमार मंडल, दीपक कुमार मंडल और कैलाश मंडल के रूप में हुई है।

पुलिस ने इन तीनों अपराधियों के पास से 3 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया है। गिरिडीह के एसपी डॉ। विमल कुमार ने प्रेस वार्ता करके इसकी जानकारी दी। एसपी डॉ। विमल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ साइबर अपराधी गांडेय थाना क्षेत्र के डाकबंगला के पास छिप कर लोगों के साथ ठगी करने का काम कर रहे हैं। इसी सूचना के बाद साइबर डीएसपी आबिद खान को छापेमारी करने का निर्देश दिया गया और फिर तीनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि ये तीनों शातिर साइबर अपराधी फर्जी बिजली विभाग का अधिकारी रेंडम नंबरों को सेलेक्ट करते थे और फिर उन्हें सीरियल कॉलिंग करके बिजली कनेक्शन काटने की धमकी देकर ठगी करने का काम करते थे।

लागत को दरकिनार कर ठेकेदार बना रहा बिल्डिंग, अधिकारी मौन, जांच की मांग

सिल्ली: पथ निर्माण पथ प्रमंडल रांची ग्रामीण द्वारा सिल्ली स्थित निरीक्षण भवन के साज सज्जा सहित निर्माण कार्य में कोताही बरती जा रही है। भवन निर्माण के फाउंडेशन एवं ले-आउट बिना जेइ के ही हुआ है। संवेदक लागत को ताख पर रखकर काम करवा रहा है। प्रखण्ड मुख्यालय से महज ढ़ाई किमी दूर भवन निर्माण कार्य हो रहा है, फिर भी संवेदक को कोई भय नहीं। वहीं इसको लेकर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष राधिका महतो ने बताया संवेदक बिना स्टीमेट के ही अपने मनमर्जी से भवन निर्माण का कार्य कर रहा है। भवन निर्माण में घटिया ईंटा, सीमेंट एवं लोकल छड़ लगाया जा रहा है महतो ने निर्माण कार्य का जांच की मांग विभाग के मुख्य सचिव एंव उपयुक्त रांची से किया है। महतो ने बताया इस भवन निर्माण के ठेकेदार को सिल्ली रेलवे ओवरब्रिज का सर्विस रोड बनाने का भी ठेका मिला था जो आधा अधूरा और घटिया किस्म का निर्माण कर छोड़ दिया है। कहीं न कहीं ठेकेदार और विभाग के नीचे का अधिकारी मिला हुआ है और जनता की गाढ़ी कमाई को लूटा जा रहा है इसे रोकने के लिए जरूरत पड़ा तो प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा।बताते चले कि हाल के दिनों में करीब 12 लाख खर्च कर निरीक्षण भवन का मरम्मत किया गया था। इसी ठेकेदार को मरम्मत के काम का ठेका मिला था। अब पुनः एक डेढ़ साल बीतने को है और भवन को तोड़ कर साज-सज्जा के नाम पर करोड़ों खर्च किया जा रहा है जबकि यहां विभाग के कोई भी अधिकारी नहीं बैठता है।

हाइवा व कंटेनर में टक्कर, कोई हताहत नहीं

धनबाद: निरसा चौक पर रविवार को तड़के करीब 4.30 बजे एक हाइवा ने कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी। उस वक्त चौक सुनसान था। अगर आधा-एक घंटे बाद घटना घटित होती, तो कई लोग काल के गाल में समा जाते। क्योंकि उस वक्त लोगों की आवाजाही शुरू हो जाती है। बताया जाता है कि एमपीएल से कोयला अनलोड कर हाइवा निरसा चौक के पास पहुंचा और कोलकाता लेन में जा रहे एक कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाइवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इससे कुछ देर के लिए एनएच पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच को क्लियर कराया। स्थानीय लोगों ने बताया कि निरसा-जामताड़ा रोड में सिंद्र मोड़ से निरसा चौक तक हाइवा के परिचालन पर रोक है। इसके ब्वावजूद हाइवा का परिचालन निरंतर जारी है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटना चालक की लापरवाही से घटी। बताया जाता है कि चालक शराब के नशे में धुत्त था।

उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना

अतिथि शिक्षकों को कार्य करने से रोका जा रहा

रांची: आश्रम होटल में अतिथि शिक्षकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बतलाया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना की जा रही है। अतिथि शिक्षकों को काम करने से रोका जा रहा है,जबकि माननीय उच्च न्यायालय का निर्देश है, कि जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है तब तक अतिथि शिक्षकों को नहीं हटाया जा सकता है। इसके बावजूद रांची विश्वविद्यालय के द्वारा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड सरकार के संकल्प का हवाला देते हुए काम करने से रोका जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय के पदाधिकारी विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य को मौखिक रूप से निर्देशन दिया है कि अतिथि शिक्षकों से काम नहीं लिया जाए एवं इन्हें हाजरी बनाने से रोका जाए, जिसके कारण अतिथि शिक्षकों की हाजिरी का रजिस्टर हटा दिया गया है। वहीं कुछ महाविद्यालयों में हाजरी रजिस्टर और बायोमेट्रिक मशीन भी हटा दिया गया है। दूसरी ओर इन अतिथि शिक्षकों को 18 महीने से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि पिछली हेमंत सरकार ने 14/ 10/ 2024 को अपने अंतिम कैबिनेट में अतिथि शिक्षकों को आवश्यकता आधारित शिक्षक के रूप में समायोजित करने का प्रस्ताव पारित किया लेकिन इसके द्वारा जो संकल्प बनाया गया संकल्प काफी भ्रामक है, जिसके कारण अतिथि शिक्षकों का न तो अभी तक समायोजन हो पाया है वहीं दूसरी ओर इसी संकल्प का हवाला देते हुए हमें काम करने से रोका जा रहा है। इस पर इन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि अतिथि शिक्षकों से संबंधित अंतिम कैबिनेट में पारित संकल्प पर पुनर्विचार किया जाए, एवं उस पर संशोधन किया जाए तथा हमारी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाए।

फीटल हाइड्रोनेफ्रोसिस के कारण सूज जाती हैं गर्भस्थ शिशु की किडनियां

मां के गर्भ में एम्नियोटिक फ्ल्यूड की मात्रा कम होना गर्भस्थ शिशु की किडनियों के ठीक तरह से काम नहीं करने का संकेत हो सकता है

मेट्रो रेज

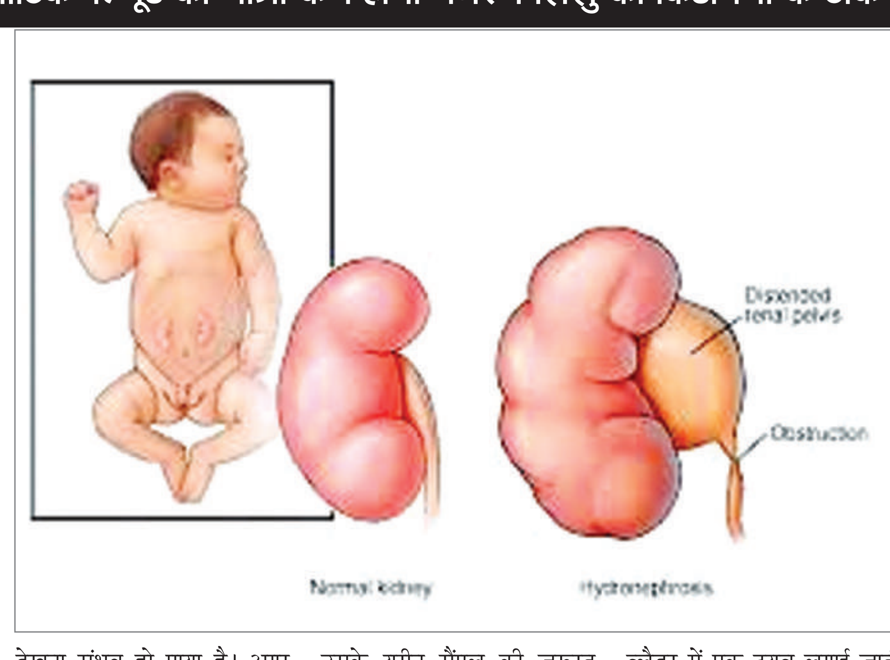

रांची: राजधानी रांची की रहने वाली पूनम यादव 28 सप्ताह की गर्भवती हैं। प्री-नैटल अल्ट्रा-साउंड से पता चला कि उनके गर्भस्थ शिशु को फीटल हाइड्रोनेफ्रोसिस यानी एंटी नैटल रीनल स्वेलिंग है। पूनम का उपचार कर रही स्त्री रोग विशेषज्ञ ने उन्हें समझाया कि घबराने की जरूरत नहीं है, गर्भ में पल रहे कई बच्चों के साथ ऐसा होता है। दरअसल यह गर्भस्थ शिशु की किडनी की सूजन होती है, जो यूरिन के जमा होने से होती है। लेकिन यह सुनकर महिला का पूरा परिवार परेशान हो गया क्योंकि काफी उपचार कराने पर वह शादी के 10 साल बाद गर्भवती हुई थी।

उनके किसी परिचित ने उन्हें रांची तथा हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक सर्जरी एंड पीडियाट्रिक यूरोलॉजी के निदेशक डॉ. संदीप कुमार सिन्हा के बारे में बताया। काउंसलिंग के दौरान डॉ. सिन्हा ने उन्हें समझाया, घबराने की जरूरत नहीं है। इस तरह के कई मामले सामने आते हैं। अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीनों के आने से गर्भस्थ शिशु की किडनियों को ज्यादा स्पष्ट रूप से देखना संभव हो पाया है। अगर कोई गर्भस्थ शिशु इससे पीड़ित है तो इसपर नजर रखी जाती है और बच्चे के जन्म के बाद कुछ जरूरी जांचे की जाती हैं। जांचों के परिणाम पर ही निर्भर करता है कि उपचार की जरूरत है या नहीं। और अगर उपचार जरूरी है तो समस्या की गंभीरता के आधार पर उपचार के विकल्प चुने जाते हैं।

उन्होंने बताया, गर्भस्थ शिशु को फीटल हाइड्रोनेफ्रोसिस था, लेकिन बहुत ही दुर्लभ मामलों में, उसके यूरीन सैंपल की जरूरत पड़ती है। सामान्यता, गर्भावस्था के दौरान किसी विशेष उपचार की जरूरत नहीं होती है। लेकिन बच्चे के जन्म के बाद पीडियाट्रिक यूरोलॉजिस्ट या पीडियाट्रिक सर्जन से उपचार कराने की जरूरत होती है ताकि वो समस्या का मुल्यांकन कर सकें और निर्णय ले सकें कि उपचार की जरूरत है या नहीं। कम ही मामलों में, गर्भावस्था के दौरान, ब्लॉकेज को बायपास करने के लिए गर्भस्थ शिशु के ब्लैडर में एक ट्यूब लगाई जाती है। एक विकल्प यह भी हो सकता है कि प्रसव को थोड़ा पहले प्लान कर लिया जाए। लेकिन, अधिकतर मामलों में, गर्भावस्था के दौरान किसी उपचार की जरूरत नहीं होती। डॉ. सिंहा ने उन्हें उनके संपर्क में रहने और बच्चे के जन्म के बाद जरूरी जांचे कराने का सुझाव भी दिया।

महिला की डॉक्टर ने भी उनकी गर्भावस्था पर ज्यादा गहरी नजर रखी और अल्ट्रा साउंड भी सामान्य से अधिक बार किया। डॉ. सिंहा ने आगे बताते हुए कहा, बच्चे के जन्म के बाद, हमने पहले ही सप्ताह में किडनी और ब्लैडर का अल्ट्रा साउंड करा लिया। बच्चे में यूरिनरी इंफेक्शन को रोकने के लिए एंटी-बायोटिक्स के लो-डोज दिए गए। इसके अलावा निम्न जांचे भी कराई गई: **लैडर का एक्स-रे,रीनल स्कैन :** इन जांचों के आधार पर ही निर्णय लिया जाता है कि समस्या कितनी गंभीर है जिसके उपचार के लिए ऑपरेशन की जरूरत पड़ेगी या समय के साथ अपने आप ठीक हो जाएगी। अक्सर समस्या ठीक हो रही हो तो वर्तमान स्थिति को देखने के लिए अल्ट्रा साउंड किया जाता है। ये बीमारियां पहले भी होती थीं, लेकिन डायग्नोसिस में देरी हो जाती थी और पीड़ित के व्यस्क होने पर किडनी फेल्योर का खतरा होता था। लेकिन अब एंटी-नैटल स्कैन्स के द्वारा किडनी फेल्योर की स्थिति में पहुंचने से पहले ही उपचार किया जाना संभव है। ताकि, किडनी को सुरक्षित रखा जा सके।

लेकिन उस बच्चे की समस्या अपने आप ठीक होने की स्थिति नहीं थी। क्योंकि यूरिन एक किडनी में ट्रैप हो रही थी और ब्लॉकेज के कारण यूरिन सामान्य से धीमी गति से बाहर निकल रही थी। इसलिए ब्लॉकेज को दूर करने के लिए एक सर्जरी की जरूरत थी। अब इस सर्जरी को मिनिमली इनवेसिव पद्धति (की-होल) द्वारा करना संभव है। यहां तक की छोटे बच्चों और नवजात शिशुओं में लैप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी भी की जा रही है। अब नवजात शिशु पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी किडनियां भी ठीक तरह काम कर रही हैं।

फीटल हाइड्रोनेफ्रोसिस एक सामान्य स्थिति है इसलिए जब भी किसी गर्भवती महिला को इस बारे में पता चले तो उसे परेशान नहीं होना चाहिए। इसमें बच्चे की किडनी में अत्यधिक फ्ल्यूड होने का पता चलता है, क्योंकि यूरिन वहां जमा हो रही होती है। अक्सर फीटल हाइड्रोनेफ्रोसिस का पता तब चलता है जब फीटल अल्ट्रा साउंड में किडनी सूजी हुई महसूस होती है। आप अपने डॉक्टर के अलावा पिडिएट्रिक यूरोलॉजिस्ट्स या पिडिएट्रिक सर्जन से भी राय ले सकते हैं। बच्चे के जन्म के बाद पहले सप्ताह में ही उसकी जरूरी जांचे करा लें। उससे सही स्थिति का पता चल जाएगा और जरूरी उपचार संभव हो पाएगा।

भूखे को भोजन, प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा पुण्य कार्य कोई भी

रांचीः 179वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन अपने पुत्र हरी ओम अग्रवाल एवं पुत्रवधु तनु अग्रवाल की शादी की सालगिरह के सुअवसर पर मुम्बई निवासी उनके पिता मोहनलाल अग्रवाल माता कुसुम देवी अग्रवाल के सौजन्य से संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल और उनके परिवार एव प्रणामी समाज के सदस्यों के सहयोग से किया गया।

रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के श्री कृष्ण प्रणामी (मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम आश्रम) मंदिर के प्रांगण मे संस्था की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल एंव तरुण अग्रवाल के द्वारा वहाँ के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले 1300 श्रद्धालुओ, निर्धन परिवार के सदस्यों मंदिर के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 179 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे का विधिवत उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया।

आज के अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा के महान कार्य में विशेष रूप संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, विशाल जालानओमप्रकाश सरावगी, विष्णु सोनी,पवन पोद्दार, जगदीश अग्रवाल, संजय गोयल,बिजय अग्रवाल, सज्जन पाड़िया,सुरेश चौधरी, सुरेश अग्रवाल,अरविंद अग्रवाल,पुर्णमल सर्राफ, सुनील पोद्दार शिव भगवान अग्रवाल,ज्ञान प्रकाश शर्मा, अंजनी अग्रवाल, धीरज कुमार गुप्ता, चन्द्रदिप साहु,महेश वर्मा,हरीश कुमार,महिला समिति की विधा देवी अग्रवाल,संतोष देवी अग्रवाल पाडिया,सुनीता अग्रवाल, अमिता जालान एवं इनके अलावा संस्था के और भी बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

अनीता देवी ने उपायुक्त को पत्र लिखकर गर्भवती के मदद की लगाई गुहार

रांचीः उपाध्यक्ष जिला परिषद लातेहार अनीता देवी ने उपायुक्त रांची को पत्र लिखकर गर्भवती महिला असरीता कुमारी की मदद का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि बालूमाथ शेरेगढ़ा की असरीता कुमारी चार दिनों से रांची के दीपाटोली के क्यू क्यूरेस्ट हॉस्पिटल में एडमिट है, जिसकी डिलीवरी होनी थी। लेकिन पैसे के अभाव में उसके पेट में एक-एक करके दोनों बच्चे मर गये। लेकिन अस्पताल के मैनेजमेंट ने पैसा जमा नहीं करने पर इलाज करने से इनकार कर दिया ।

मरीज के परिजनों द्वारा 80 हजार पहले जमा किया गया है । डेढ़ लाख रुपये और राशि की मांग की जा रही है । अभी की स्थिति यह है कि ना तो मरीज का इलाज हो रहा है, न हीं पेट में मरे हुए बच्चे को निकालने के लिए ऑपरेशन की कोई कार्रवाई हो रही है ।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का नंबरः7545950000

रिसेप्शनः 9153971423

अस्पताल सिर्फ इसी जिद्द पर है कि रुपए जमा करिए तब ऑपरेशन होगा । कृपया त्वरित संज्ञान लिया जाए । महिला की जान खतरे में है ।

पति को दूसरी लड़की से हो गया था प्यार, पत्नी ने जहर खाकर दी जान

रांची : कांके थाना क्षेत्र के पंडरा बनहोरा निवासी शालिनी टोप्पो ने रविवार की शाम कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। वह चान्हो सीएचसी में नर्स का काम करती थी। शालिनी ने जनवरी 2022 में पंडरा बनहोरा निवासी रवि विकास तिर्की के साथ प्रेम विवाह किया था।

शालिनी के मायके वालों के अनुसार उसके पति का प्रेम प्रसंग किसी अन्य लड़की के साथ चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद होता रहता था। कुछ माह पहले इसी विवाद को सुलझाने के लिए कांके स्थित उसके मायके में दोनों पक्षों की बैठक हुई थी। बेटी का घर बस जाए यह सोचकर घरवालों ने शालिनी को ससुराल भेज दिया था, परंतु इस मसले का कोई हल नहीं निकला। कीटनाशक पीने के बाद बहन के घर पहुंचीः इसके बाद शनिवार की शाम चान्हो सीएचसी से ड्यूटी लौटने के क्रम में शालिनी ने कीटनाशक पी लिया और मांडर मरियमटोली स्थित अपनी बहन के ससुराल गई और उसे अपने बैंक पासबुक, एटीएम और कुछ अन्य कागजात सौंपकर अपने जहर पीने की बात बताई।

अस्पताल में हुई मौतः बातचीत के दौरान ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तब शालिनी के बहन-बहनोई उसे मांडर मिशन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसने दम तोड़ दिया। शालिनी कांके थाना क्षेत्र के टंगराटोली बाजारटांड़ निवासी सुनील टोप्पो की पुत्री थी।

विस सत्र : मुख्यमंत्री हेमंत का स्वागत व अभिनंदन

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मंत्रिमंडल समन्वय सचिवालय विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल एवं डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अभिवादन व स्वागत किया।

अलग-अलग भाषाओं में विधायकों ने ली शपथ : हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली। इसके अलावा चंपाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली। वहीं कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली। जबकि पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

सदन में दिखे 21 नये चेहरेः इस बार सदन में 21 नये चेहर दिखे। जो पहली बार विधायक बने हैं। सदन में पहली बार पहुंचने वाले विधायकों में रौशन लाल चौधरी, शुत्रध्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं। वहीं 18 ऐसे सदस्य हैं, जो पहले विधायक रह चुके हैं। इसमें सबसे अधिक आठ भाजपा के हैं, जबकि छह झामुमो, तीन कांग्रेस के हैं। वहीं राजद, माले, आजसू व जेएलकेएम के एक-एक विधायक शामिल हैं। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन व सीपी सिंह लगातार सातवीं बार तो प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया।

दस विधायक तीसरी बार पहुंचे सदन : सदन पहुंचनेवाले विधायकों में दस ऐसे विधायक शामिल हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है। इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल है। पिछले विधानसभा के 42 विधायक फिर से विधानसभा पहुंचे हैं। स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं। जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं। चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की। जीत का चौका लगानेवालों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपक विरुआ, चमरा लिंडा, और विधायक नवीन जायसवाल शामिल हैं।

रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह कार्यक्रम की तैयारी पूरी

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता अपने संयुक्त सचिव आनंद प्रसाद गुप्ता झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु के साथ आज रांची लालपुर स्थित होटल अप्सरा में एक भेंटवार्ता की। जिसमें दिनांक 11 जनवरी को रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह के कार्यक्रम की पूरी तैयारी की। समीक्षा कर झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा पूर्व में किया गया राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की सफल आयोजन के अनुभव का आदान प्रदान किया। प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा आयोजित सफल कार्यक्रम की तैयारी पर हर एक बिंदुओं पर सिलसिलेवार विस्तार से बताते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा रायपुर में होने वाली अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की तैयारी की समीक्षा करते हुए कहा कि चुकी हमारे पड़ोसी राज्य रायपुर छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है ये झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ का कर्तव्य बनता है कि कार्यक्रम की सफल आयोजन से पूरे सुंडी/ शौंडिक समाज गौरवान्वित एवं लाभान्वित होगा। रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की सफलता और वहां मौजूद प्रतिनिधियों के द्वारा पूरे राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर समाज के अंतिम छोर में बसे व्यक्ति तक एक साकारात्मक संदेश पहुंचेगा। इस दौरान भेंट वार्ता सह समीक्षा बैठक में उपस्थित उदय साहु की अर्धांगिनी जयश्री साहु (प्रदेश प्रभारी महिला मोर्चा,) राष्ट्रीय सुंडी समाज जमशेदपुर से आए प्रदेश अध्यक्ष सनत मंडल, कोशाध्यक्ष रबिंद्र मंडल, प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु , युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दिलिप नाथ साहु, गढ़वा जिला शौंडिक संघ के अशोक कुमार भी मौजूद थे।

जमीन विवाद में हिंसक झड़प, थाना प्रभारी घायल

रांचीः जमीन विवाद में चान्हो थाना क्षेत्र में एक बार फिर हिंसक झड़प हुई, जिसमें थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता घायल हो गए। यह घटना बिजुपाड़ा-खलारी रोड स्थित सिटी मोड़ के पास घटी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पांच दिसंबर को सिटी गांव के बसंत टाना भगत द्वारा जमीन पर चहारदीवारी का निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इस पर चोरेया मोड़ निवासी कर्मवीर सिंह ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि कर्मवीर सिंह के साथ मारपीट की गई और उसे घायल कर दिया गया। सात दिसंबर की शाम को पिपराटोली के पप्पू शाही और उसके साथियों ने कथित तौर पर बसंत भगत के साथ मारपीट की। इसके बाद मामला और गंभीर हो गया।

थाना प्रभारी को भी आयीं चोटें: विवाद ने हिंसक रूप ले लिया जब एक पक्ष के लोग गोलबंद हो गए और पिपराटोली जाकर पप्पू शाही के मकान में तोड़फोड़ की। इसी बीच विवाद को शांत कराने पहुंचे चान्हो थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता भी झड़प में घायल हो गए। घटना के बाद चान्हो थाना में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। घटना के बाद से सिटी गांव और पिपराटोली इलाके में तनाव व्याप्त है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर

रांची में बारिश शुरू, घटेगा तापमान, सताएगी ठंड

रांची : बंगाल की खाड़ी में उठे पश्चिमी विक्षोभ का असर झारखंड में भी दिखने लगा है। राजधानी रांची में सोमवार को मौसम बदल गया। सुबह में कोहरा छाया रहा। साढ़े 8 बजे के बाद बारिश भी शुरू हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि बारिश बंद होते ही ठंड सताने लगेगी।

रांची का न्यूनतम तापमान बढ़ाः मौसम विभाग ने कहा है कि रविवार को आसमान में बादल छाये रहने की वजह से रांची का न्यूनतम तापमान करीब 2 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ गया था। शनिवार को रांची का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे चला गया था, जो रविवार को 11.1 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया।

10 डिग्री से नीचे जा सकता है रांची का न्यूनतम तापमानः सोमवार को भी रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान मौसम विभाग ने व्यक्त किया है। मौसम विभाग ने कहा है कि सोमवार के बाद रांची का मौसम बदल जाएगा। तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। रांची का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेंटीग्रेड से भी नीचे जा सकता है। तापमान में गिरावट की वजह से ठंड बढ़ेगी।

पौष मेला 28 दिसंबर से

रांचीः बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 28 और 29 दिसंबर को भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में पौष मेला का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर 20 से अधिक स्टॉल लगाये जायेंगे। यह जानकारी मंच के संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि इसमें झारखंड को केंद्रित करते हुए परिधानों की भी प्रदर्शनी लगायी जायेगी। कोलकाता डांसर ग्रिल संस्था का आकर्षक नृत्य कार्यक्रम होगा। सारेगामापा के उप विजेता गुरजीत सिंह भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार क्यों करते हैं किसान चढ़ाई?

दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए। दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया।

दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास। किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री-प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें जमीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवजा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकप्लिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे। प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस-वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाईं। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा। किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवजा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया। बोले, किसानों पर बर्बरता के नए आयाम रच रहे हैं प्रधानमंत्री। उनके दिल में अन्नदाताओं के लिए रत्ती भर सम्मान नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, उन्हें आने देना चाहिए, उनपर वाटर कैनन का प्रयोग करना गलत है। दरअसल, ऐसे मौकों पर विपक्ष का बिना सोचे समझे कूद पड़ना, ह्यआग में घी डालनेह्ल का काम कर जाता है। जबकि, उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर विकल्प और समाधान की ओर ध्यानाकर्षण करवाना चाहिए। ताकि सरकार आंदोलनकारियों से बात करने पर विवश हो? पर, दुर्भाग्य ऐसा हो नहीं पाता और न ही विपक्ष ऐसा प्रयास करता है।

बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य–आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल ही में एक जांच से पता चला है कि नशीली दवाओं की लत की महामारी, जो ज्यादातर युवा पुरुषों को प्रभावित कर रही है, पूरे भारत में फैल रही है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग भारत में महत्त्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दा है। भारत की विविध आबादी, बड़ी युवा जनसांख्यिकी और आर्थिक असमानताएँ देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जटिल प्रकृति में योगदान करती हैं। सांस्कृतिक मूल्यों को बदलना, आर्थिक तनाव में वृद्धि और सहायक सम्बंधों में कमी से पदार्थ का उपयोग शुरू हो रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 10 से 75 वर्ष की आयु के 16 करोड़ लोग (14.6%) शराब के वर्तमान उपयोगकर्ता हैं और उनमें से 5.2% शराब पर निर्भर हैं। लगभग 3.1 करोड़ व्यक्ति (2.8%) भांग उपयोगकर्ता हैं और 72 लाख (0.66%) लोग भांग की समस्या से पीड़ित हैं। 7% बच्चे और किशोर इनहेलेंट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वयस्कों में यह दर 0.58% है। लगभग 18 लाख बच्चों को इनहेलेंट के इस्तेमाल के लिए मदद की जरूरत है। अनुमान है कि लगभग 8.5 लाख लोग इंजेक्शन के जरिए ड्रग्स ले रहे हैं। भारत में ड्रग्स की सबसे चिंताजनक श्रेणी ओपिओइड है, भारत में ओपिओइड के इस्तेमाल का प्रचलन वैश्विक औसत (0.7% बनाम 2.1%) से तीन गुना ज्यादा है। सभी ड्रग श्रेणियों में, ओपिओइड समूह (विशेष रूप से हेरोइन) की ड्रग्स बीमारी, मृत्यु और विकलांगता की सबसे ज्यादा दरों से जुड़ी हैं।

ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से), संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही, मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा सम्बंध है। यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं, नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएँ संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं।

आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा, स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए 'डार्क नेट' और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है। व्यापक विधायी नीति तीन केंद्रीय अधिनियमों में निहित है, अर्थात औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940, स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1988 में अवैध तस्करी की रोकथाम। यह भारत में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन के लिए नोडल एजेंसी है। इसकी स्थापना 1986 में देश भर में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन प्रयासों के समन्वय के लिए की गई थी। नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन में हितधारकों की बहुलता ने वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को आवश्यक बना दिया है। गृह मंत्रालय ने जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक देश भर के हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाने और नशीली दवाओं के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार-स्तरीय समन्वय तंत्र का गठन किया है। शीर्ष एनसीओआरडी, कार्यकारी एनसीओआरडी, राज्य एनसीओआरडी और ज़िला कॉर्ड तंत्र के चार स्तंभ हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) नशे की लत के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्रों (आईआरसीए) के रखरखाव के लिए गैर सरकारी संगठनों और स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ये केंद्र मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों वाले व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करते हैं। एमओएसजेई ने 2018-2025 के लिए एनएपीडीडीआर शुरू किया। योजना का उद्देश्य बहुआयामी रणनीति के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिकूल परिणामों को कम करना है। सरकार को सीमा शुल्क, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राज्य पुलिस बलों सहित नशीली दवाओं के नियंत्रण में शामिल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करने के लिए उपाय करने चाहिए। इसमें उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक और संसाधन प्रदान करना शामिल हो सकता है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी जैसे सामाजिक-आर्थिक कारक नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, सरकार गरीबी कम करने के उपायों, रोजगार सर्जन योजनाओं और शिक्षा तक पहुँच बढ़ाकर इन मुद्दों को सम्बोधित कर सकती है। नशीली दवाओं की मांग को कम करने के लिए समुदाय-आधारित रोकथाम कार्यक्रम, शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कैसे बढ़े चुनाव में मतदान का प्रतिशत

यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को मानें तो देश की 31 फीसद आबादी शहरों में रहती है। हालांकि गैर–सरकारी आंकड़ें शहरी आबादी कहीं अधिक होने का दावा करते हैं। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं। सारे देश के नौजवानों के सपने इन्हीं शहरों में पहुंचकर साकार होते हैं। पर नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर।

डॉ. आर.के. सिन्हा

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकार का गठन भी हो गया है। झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 65 फीसदी से अधिक मतदान हुआ जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय हैः पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है।

प्रश्न यह उठता है कि मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी मजबूत लोकतंत्र के लिये पर्याप्त है? बिल्कुल नहीं! तो फिर किया क्या जाये! यह तो पूरे तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को सोचना होगा कि चुनाव में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय हैः पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है।

हालांकि, महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25% का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है, जहाँ 73.68% मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07% का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है। इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय था। इसके अभियान में, सोशल मीडिया सहित, स्थानीय हस्तियों - क्रिकेटरों से लेकर फिल्म सितारों तक को भी शामिल किया गया है और इसमें ऊँची इमारतों और आवासीय सोसायटियों में मतदान केंद्र स्थापित करना और कतार में लगने के समय को कम करने के लिए टोकन प्रणाली शामिल है। राजनीतिक दलों के उच्च-वोल्टेज अभियानों ने भी मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद की है। महाराष्ट्र में बेहतर मतदान भारतीय लोकतंत्र के लिए आश्वस्त करने वाला है। हालांकि यह मानना होगा कि देश के शहरी इलाकों में मतदान कमोबेश कम ही रहता है। शिमला से सूरत तक शहरी मतदाता की उदासीनता लगातार बनी हुई है। यह रुझान नया नहीं है। चुनावों के पहले तीन दशकों में शहरी मतदाताओं की भागीदारी काफी बेहतर रहती थी। 1980 के दशक से शहरी और ग्रामीण मतदान के बीच का अंतर बढ़ गया है। शहरी उदासीनता को समझना होगा। शहरी भारत का जीडीपी में 60% और करों में बहुत बड़ा हिस्सा है। पर हमारे यहां के शहरों की हालत लगातार खराब हो रही है। आजकल दिल्ली में प्रदूषण का स्तर जिस तरह का हो गया है, उसने आम लोगों का जीना दूभर कर दिया है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। यह तो राजधानी की हालत है। गुजरे कुछ सालों के दौरान दिल्ली, मुंबई, चैन्नई, बैंगलुरू जैसे देश के अति अहम महानगर बारिश से जलमग्न होते रहे। इनमें जिंदगी कई दिनों तक थमी रही। सड़कों पर जलभराव के कारण जाम लग गए, रेल सेवा प्रभावित हुई, घरों में पानी जाता रहा, स्कूल-कॉलेज बंद हो गए। देश के इन खासमखास शहरों की तस्वीर बहुत कुछ बयां कर गई। यह कोई पहली बार नहीं हुआ। यह स्थिति हर साल होती है, योजनाएं बनती हैं ताकि बारिश के बाद होने वाली अव्यवस्था और अराजकता की पुनरावृत्ति ना हो। पर योजनाएं फाइलों में गुम हो जाती हैं।

यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को मानें तो देश की 31 फीसद आबादी शहरों में रहती है। हालांकि गैर-सरकारी आंकड़ें शहरी आबादी कहीं अधिक होने का दावा करते हैं। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं। सारे देश के नौजवानों के सपने इन्हीं शहरों में पहुंचकर साकार होते हैं। पर नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर।

जाहिर है, इस कारण मतदाता निराश होने लगता है अपने जनप्रतिनिधियों से। उसे लगता है कि जब उसके नेता निकम्मे होंगे तो वह वोट क्यों करे। मतदाताओं को नेता बार-बार निराश करते हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों को समझना होगा कि अगर देश में मतदान केन्द्रों की तरफ फिर से मतदाताओं को बड़े पैमाने पर लाना है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। उन्हें भी जनता से सीधा संपर्क बनाकर रखना होगा। उन्हें भी जनता के मसलों को लेकर संवेदनशील बनना होगा।

आपको याद होगा कि पिछले लोकसभा चुनाव के वक्त लगभग सारे में देश सूरज देवता आग उगल रहे थे। फिर भी मतदाता मतदान करने के लिए घरों से निकल रहे थे। मतदान वाले दिन कई जगहों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर था। लू भी चल रही है। इतने कठोर मौसम में चुनाव प्रचार करना और फिर मतदान करने के लिए मतदान केन्द्रों के बाहर लंबी लाइन लगाकर खड़ा होना सामान्य बात नहीं थी। इतने खराब मौसम में भी देश के लाखों-करोड़ों मतदाता घरों से निकल कर वोट तो दे ही रहे थे। यह सुखद भी है और हमारे मजबूत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत भी है। आखिर देश के जनमानस को पता है कि उनके वोट से ही देश की तकदीर लिखी जाएगी। इसलिए ही लोग वोट देकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। पहले से ही सक्रिय चुनाव आयोग को अधिक से अधिक मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए, मतदान केंद्रों को अधिक सुलभ और आकर्षक बनाना होगा। इसमें पर्याप्त पार्किंग और आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र जैसे सुधार शामिल हो सकते हैं। दिव्यांग मतदाताओं को उनके घर में ही वोट देने की सुविधा दी जा सकती है। फिलहाल तो दिव्यांग जनों को मतदान केन्द्रों में काफी कष्ट होता है। इस तरफ गंभीरता से सोचना होगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पंचायत, नगरपालिका, विधान सभा और लोकसभा चुनावों में मतदान को बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। इस दिशा में कई स्तरों पर काम करना जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

कर्म करने के बाद ही भाग्य का सही परिणाम मिलता है

अध्यात्म

प्राचीन नीति शास्त्र और ग्रंथों में भाग्य का महत्व स्वीकार किया गया है, लेकिन यह भी बताया गया है कि भाग्य के साथ-साथ कर्म यानि प्रयास और पुरुषार्थ का भी बड़ा महत्व है। पंचतंत्र की एक कथा का सार भाग्य और पुरुषार्थ के रहस्य को बताता है, कथा अनुसार एक अज्ञानी व्यक्ति सोचता है कि वह बिना मेहनत किए राजा के समान जी सकता है, लेकिन उसे यह बाद में पता चलता है कि बिना कर्म के सिर्फ भाग्य पर भरोसा करने से कुछ नहीं होता। इसलिए नीति शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य का भविष्य उसके हाथ में ही होता है और यदि वह सही दिशा में प्रयास करें तो वह अपने भाग्य को बदल सकता है। भाग्य और पुरुषार्थ के संतुलन को महत्वपूर्ण माना गया है। भाग्य व्यक्ति के जीवन का एक हिस्सा है लेकिन सही समय पर सही कर्म और बुद्धिमानी से

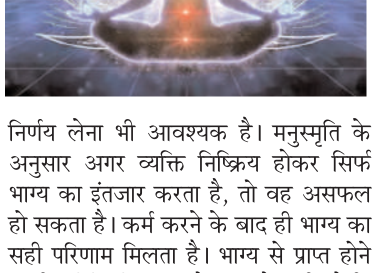

निर्णय लेना भी आवश्यक है। मनुस्मृति के अनुसार अगर व्यक्ति निष्क्रिय होकर सिर्फ भाग्य का इंतजार करता है, तो वह असफल हो सकता है। कर्म करने के बाद ही भाग्य का सही परिणाम मिलता है। भाग्य से प्राप्त होने वाली परिस्थितियां हमारे वश में नहीं होती, लेकिन उन पर प्रतिक्रिया कैसे देनी है, यह हमारे हाथ में होता है। अर्जुन का उदाहरण इस बात को स्पष्ट करता है, कि भाग्य महत्वपूर्ण है, लेकिन बिना पुरुषार्थ के सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती। महाभारत के अनुसार पुरुषार्थी, भाग्य के अनुसार प्रतिष्ठा पाता है, पर अकर्मण्य असह्य दुःख भोगता है। भाग्य परिस्थितियों को निर्धारित कर सकता है, लेकिन व्यक्ति के कर्म ही उसके परिणाम को प्रभावित करते हैं। भाग्य और कर्म दोनों साथ-साथ चलते हैं, लेकिन कर्म करने वाला ही भाग्य के साथ सफल होता है। पंचतंत्र के अनुसार मनुष्य को जिस वस्तु की प्राप्ति होनी है, वह अवश्य होगी, उसमें भाग्य भी बाधा नहीं डाल सकता। जो हमारा है, वह किसी अन्य का नहीं हो सकता। कर्म और भाग्य रहस्य को समझना अत्यन्त कठिन है, इसलिए बस ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से सही दिशा जानकर कर्म करते रहें, परिणाम खुद चलकर आपके पास आएगा।

हेल्थ

पुरुषों में बढ़ रहा अस्थमा

दुनिया भर के लाखों पुरुष फेफड़ों के कैंसर से प्रभावित हैं। फेफड़ों के कैंसर का सबसे महत्वपूर्ण कारक धूम्रपान है। बचपन की सबसे आम बीमारियों में से एक अस्थमा है। वैश्विक स्तर पर लगभग 10% 6 से 7 वर्ष की आयु के बच्चों को अस्थमा की समस्या का प्रचलन है। इसमें फेफड़ों की सूजन के कारण श्वसन मार्ग में सूजन हो जाती है, जिस कारण सांस लेने में कठिनाई होती है। इसकी समस्या में फेफड़े में होने वाली सूजन यदि लंबे समय तक रहे तो यह कैंसर हो जन्म दे सकती है। पुरुषों में श्वसन संबंधी बीमारियां बहुत ही गंभीर समस्याएं हैं। डॉक्टर ऊष्मा सिंह, डायरेक्टर पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी एंड हेमाटोलॉजी, एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल सोनीपत,के मुताबिक श्वसन संबंधी बीमारियां जीवन की गुणवत्ता और आयु को बुरी तरीके से प्रभावित करती हैं। अस्थमा और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियां होने के लिए विभिन्न कारक है, जैसे– तंबाकू का सेवन, पर्यावरण में मौजूद प्रदूषण, अनुवांशिक इतिहास और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या। हमारा शरीर कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। कोशिकाएं खुद की मरम्मत करने में सक्षम होती हैं लेकिन जब कभी–कभी वह बहुत ही असामान्य तरीके से विकसित होने लगती है तो किसी गांठ या ट्यूमर के रूप में बदल जाती हैं। आमतौर पर यह श्वसन मार्ग की परत में शुरू होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

पोलियो की खुराक शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पिलाई

साहिबगंज/ मंडरो : प्रखंड अंतर्गत रविवार को पल्स पोलियो को लेकर पोलियो की खुराक शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पिलाई गई।जिसकी मॉनिटरिंग कर रहे डा एन एन सिंह व डा पंकज कुमार ने बताया कि प्रखंड में 93बूथ बनाये गए हैं।जिसमें चार ट्रांजिट टीम बनाई गई है,19 सुपभाईजर को प्रतिनियुक्त किया गया है,कुल 16156 बच्चों को खुराक पिलाना है, वहीं बताया गया।कि प्रथम दिन बूथ पर एवूदो दिन घर-घर भ्रमण कर खुराक पिलानी है। देर शाम तक 12795 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई,मोके पर सुभाषिनी सिंहा, अर्चना कुमारी,गुड़िया रानी ,रेखा देवी, आरती देवी,महेन्द्र पासवान,गेनालाल मंडल, ब्रज किशोर राणा, सहित दर्जनों स्वास्थ्य कर्मी बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं।

प्रभारी प्रमुख शिला देवी ने महादेवबरण सड़क का किया शिलान्यास

साहिबगंज/मंडरो : प्रखण्ड मे रविवार को प्रभारी प्रमुख शिला देवी महादेवबरण सड़क का शिलान्यास नारियल पुजा पाठ कर किया।सड़क के निर्माण होने से क्षेत्र वासियों को काफी फायदा होगा।सड़क के बनने की मांग गांववासी लम्बे समय से कर रहे थे. इस दौरान प्रभारी प्रमुख शिला देवी ने लोगों से कहा कि उनके प्रयास से क्षेत्र में सड़क निर्माण कराए जा रहे हैं .यदि अभी भी कहीं कोई सड़क पथ छुट गया हो तो उसे प्राथमिकता के आधार पर उसे भी करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही बताया कि महादेवबरण सड़क काभी सालों से जर्जर स्थिति में थी लोगों को आवागमन करने में काभी कठिनाई का सामना करना पड़ता था सड़क बन जाने से लोगों को आवागमन करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। सड़क निर्माण डीएमएफटी फंड से लगभग 10 लाख की लागत से महादेवबरण सड़क निर्माण कराया जाएगा।

फुसलाकर युवती को भगाने शारीरिक शोषण का मामला दर्ज

साहिबगंज/मंडरो : प्रखण्ड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के एक आरोपी को मिजाचौकी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।मिली जानकारी के अनुसार एक युवती अपने घर से दो माह पूर्व फरार हो गई थी।इसको लेकर लड़की के पिता घर से गुम होने की शिकायत 14अक्टुवर को मिजाचौकी थाना को दिया था। और खोज बीन से पता लगाया कि ईशीपुर थाना भागलपुर बिहार कुशाल पुर के सुरेश तुरी के पुत्र दयानंद तुरी के घर एक माह से रह रही है। पुलिस द्वारा छानबीन करने पर चर्चा में आया कि इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दोनों प्रेमी बन गये। इस पर लड़की के परिजनों का आरोप है कि लड़के के द्वारा बहला फुसलाकर युवती को भगाने शारीरिक शोषण का मामला दर्ज किया है, इसको लेकर मिजाचौकी प्रभार थाना प्रभारी अमेरिका राम ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी दयानंद तुरी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। युवति को मेडिकल के लिए साहिबगंज भेजा गया है, इस संबंध में मिजाचौकी थाना पुलिस ने बताया कि इस मामले की गहन छानबीन करने के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा।

बूथ डे के अवसर पर कम से कम 70 प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित : उपायुक्त

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने सदर अस्पताल परिसर में दीप प्रज्ज्वलित कर बच्चों को पोलियो की खुराक पीलाकर कर पल्स पोलियो अभियान का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ डे के अवसर पर कम से कम 70 प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।इसके लिए आवश्यक है कि अपने नजदीकी बूथ पर जाकर जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जाएगा और शेष दो दिन घर-घर जाकर बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी जाएगी।उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। मौके सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालीया, डीपीएम हिना सिंह अरोड़ा, डीएस मोहन मुर्मू उपस्थित थे।

15 महिलाएं उद्यमिता विकास हेतु मशरूम उत्पादन का कार्य कर रहीं हैं

साहिबगंज : डीएमएफटी मद द्वारा आदिम जनजाति ग्रामों में कराए जा रहे मशरूम उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत पतना प्रखंड के शहरी पंचायत अंतर्गत गुम्मा पहाड़ ग्राम मे कराए जा मशरूम उत्पादन इकाई का निरीक्षण जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार,आकांक्षी प्रखंड फेलो मनीष कुमार लघु सिंचाई विभाग के कनिय अभियंता रमाशंकर द्वारा किया।योजना पदाधिकारी द्वारा कराए जा रहे।प्रशिक्षण के उपरांत विस्तार पूर्वक बताया गया की कार्यक्रम में आ रही कठिनाइयों से अवगत हुए। आदिम जनजाति गांव में कुल 15 महिलाएं उद्यमिता विकास हेतु मशरूम उत्पादन का कार्य कर रहीं हैं।पूर्व में इन सभी दीदियों का तकनीकी प्रशिक्षण आरएसईटीआई साहिबगंज द्वारा कराया गया था। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन अधिक से अधिक आदिम जनजाति किसान विशेषकर महिलाओं को मशरूम उद्यमी बनाकर उन्हें अतिरिक्त आय का श्रोत प्रदान करना है।

लोक कल्याणकारी योजनाओ के बारे में जागरूकता फैलाकर उनको लाभान्वित करना है : संजीत हेम्ब्रम

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड मंडरो सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज द्वारा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन हुआ शिविर का प्रारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया।उक्त शिविर में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी मंडरो द्वारा बताया कि प्रत्येक वर्ष प्रखंडो में जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के द्वारा शिविर का आयोजन किया जाता है।जिसका उद्देश्य निसहाय और आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को जोर कर उनके व उनके परिवार को सरकार द्वारा चल रही लोक कल्याणकारी योजनाओ के बारे में जागरूकता फैलाकर उनको लाभान्वित करना है।जो लाभुक स्वयं लाभान्वित होकर दुसरे लोगों के बिच जागरूकता फैला कर लाभान्वित करवाते वे ही सशक्त होते है। इस शिविर का यही उद्देश्य

है दूसरा यह कि निसहाय और आर्थिक रूप से कमजोर लोगो जिसका पारिवार व आपसी छोटे छोटे वाद विवाद का निपटारा स्वय नहीं कर सकते है। वे आपके ही गाँव में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पीएलभी डिपुट जो आपको कानूनी सलाह मशवरा देकर गाँव में ही वाद विवाद का निपटारा करने का काम करते है।इसी क्रम में उक्त शिवर के मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र कुमार श्रीवास्ताव ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा सुलह तंत्र के माध्यम से पूर्व मुकदमेबाजी विवाद समाधान की जिम्मेदारी लेता है। बड़े पैमाने पर जनता के बीच कानूनी जागरूकता फैलाता है। विशेष रूप से सामाजिक विधानों के लाभार्थियों और कानूनी महत्व के विभिन्न अन्य मुद्दों पर लक्षित करता है। न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के समक्ष मामलों के संचालन में निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करना जिला विधिक सेवा प्राधिकार का कार्य है।शिविर में सभी विभागों के ईन्स्टॉल भी लगाया गया। परिसम्पत्ति वितरण भी किया गया।इस अवसर पर मेघनाथ उरावं प्रखंड विकास पदाधिकार मंडरो, रविंदर कुमार अस्सिटेंट लीगल एडवाइजर, संजय कुमार पीएलभी,संजीत हेम्ब्रम पीएलभी संतोष कुमार भ्रमणशील पशुपालन पदाधिकारी, दयानंद प्रसाद प्रखंड पंचायत पदाधिकारी मंडरो, अभिषेक आनंद, बी पी ओ मनरेगा, प्रखंड सह अंचल के कर्मिगन, प्रखंड के ग्रामीण शामिल थे।

शिक्षक कभी भी सेवा निवृत नहीं होते हैं : रंजीत

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : शहर के मध्य विद्यालय तालाब स्कूल के पूर्व प्रधानाध्यापक मनोज राय का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन मध्य विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य विद्यालय तालाब की प्रभारी सहायक शिक्षिका रूबी देवी ने की।मुख्य अतिथि के तौर पर राजमहल मॉडल कॉलेज के प्रिंसिपल रंजीत कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष जंग बहादुर ओझा,भिखारी साह प्रमंडलीय अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गान एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया।मंच का संचालन सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी ने किया।मनोज राय का अभिनंदन पत्र पढ़कर रानी झा

ने पढ़ा।कार्यक्रम को शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार ओझा मनोज यादव,माध्यमिक शिक्षक संघ के मुरलीधर रजक ने किया।विद्यालय परिवार की ओर से सहायक अध्यापक जितेंद्र कुमार जिला अध्यक्ष अशोक कुमार, शाह मंजू कुमारी,सुचित्रा कुमारी ने सेवानिवृत्ति प्रधान अध्यापक को शॉल ओढ़ाकर एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया।मुख्य अतिथि रंजीत कुमार सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक कभी भी सेवा निवृत नहीं होते हैं समाज को शिक्षित करने में एवं ऊपर उठाने में शिक्षक की भूमिका हमेशा से रही है।और आगे भी रहेगी।मौके पर पूर्व वार्ड पार्षद गोपाल चौखानी,जय प्रकाश सिंहा,कमल महावर,सेवानिवृत शिक्षक कुलदीप यादव,शिक्षक मनोहर शर्मा,मनोज यादव,स्कूल के शिक्षक शिक्षिका एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

बाबाधाम मंदिर के गर्भगृह में हो रहे कार्य को लेकर पंडा समाज ने जताई आपत्ति

डीसी ने दिए जांच के निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघर: बाबाधाम मंदिर के गर्भ गृह में बने शिवलिंग के बगल में जिला प्रशासन के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसे लेकर मंदिर के पंडा धर्म रक्षिणी सभा ने आपत्ति जताई है। पंडा धर्म रक्षिणी सभा ने कहा कि मंदिर में पौराणिक और परंपरागत नियमों को ताक पर रखकर जिला प्रशासन काम कर रही है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। पंडा धर्म रक्षिणी सभा की तरफ से चंद्र शेखर खवाड़े ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में जिला प्रशासन जो भी निर्माण करवा रही है, वह श्रद्धालुओं के आस्था को सीधा ठेस पहुंचाता है। पंडा धर्म रक्षिणी सभा जिला प्रशासन के इस कार्य की घोर निंदा करती है और जल्द से जल्द राज्य के मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग करती है।

सोशल मीडिया के माध्यम से बाबा मंदिर के गर्भगृह में किए गए कार्यो से जुड़े मामले को संज्ञान लेते हुए मंदिर प्रभारी को जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है। साथ हीअपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वालो कर्मियों पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।@खँ१‍ॅल्लाउिटड वहीं, पूरे मामले पर देवघर के उपायुक्त विशाल सागर ने ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से कहा कि जैसे ही उन्हें जानकारी मिली, तुरंत मंदिर प्रभारी को जांच कर प्रतिवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा उपायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि जिनके द्वारा भी बिना सूचना के मंदिर के गर्भगृह में कार्य किया जा रहा है, उनपर नियमसंगत कार्रवाई भी की जाएगी। बता दें कि मंदिर के गर्भगृह में किसी भी तरह की कार्य किए जाने से पहले श्राइन बोर्ड और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों से अनुमति लेनी होती है। उसके बाद ही कोई काम किया जा सकता है।

देवघर में आने वाले सैलानियों के लिए तैयारी में जुटा नगर निगम

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघर: जिला को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए देवघर नगर निगम के कर्मचारी प्रतिदिन साफ सफाई करते हैं. लेकिन लगातार बढ़ रही आबादी और बाहर के राज्यों से आने वाले पर्यटकों की वजह से गंदगी का अंबार भी आए दिन देखने को मिल रहा है. खासकर दिसंबर और जनवरी के महीने में देवघर शहर में बाहर के राज्यों से आने वाले पर्यटकों की संख्या ज्यादा होती है. ऐसे में यहां के साफ सफाई को लेकर नगर निगम के अधिकारी प्रतिदिन कर्मचारियों के साथ बैठक कर रहे हैं.

इस बैठक में शहर के मुख्य चौराहे को साफ रखने के लिए कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं. नगर निगम के नगर आयुक्त

रोहित सिन्हा बताते हैं कि शहर की सफाई निगम की जिम्मेदारी ही नहीं प्रतिबद्धता भी है. इसलिए अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाने के लिए साफ-सफाई के काम निगम के कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन किए जाते हैं, जिसकी निगरानी अधिकारियों के द्वारा रखी जाती है.

नगर आयुक्त रोहित सिन्हा ने बताया कि देवघर नगर निगम अपने स्तर से साफ सफाई करता ही है. साथ ही स्थानीय लोगों से, कंट्रोल रूम के माध्यम या फिर अन्य माध्यम से मिलने वाली सूचना के आधार पर भी कार्रवाई के साथ सफाई का काम किया जाता है. शहर के नंदन पहाड़ी, त्रिकुट पहाड़, मंदिर क्षेत्र, टावर चौक सहित मुख्य इलाकों में कर्मचारियों को विशेष रूप से सफाई के निर्देश दिए गए हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में बाहर के राज्यों से आने वाले लोगों की भीड़ ज्यादा देखी जाती है. ऐसे में बाहर से आए सैलानियों के बीच देवघर नगर निगम की बेहतर छवि बने, इसे लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं.

बता दें कि देवघर एक ऐसा शहर है, जहां पर देश और दुनिया से लोग घूमने आते हैं. ऐसे में देवघर में साफ-सफाई का ध्यान रखना सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है. इसीलिए देवघर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा आम जनता से भी अपील करते हुए कहा गया कि दिसंबर और जनवरी में अगर शहर के किसी भी क्षेत्र में गंदगी दिखे तो निगम को तुरंत सूचित करें ताकि शहर में सफाई बनी रहे.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ देवघर में आक्रोश

देवघर: बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति विरोध को लेकर देवघर में सामाजिक संगठन और राजनीतिक दल लगातार अपनी आवाज मजबूत करते दिख रहे हैं. इस बीच जिले में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सरकार ठोस कदम उठाए ताकि देश के विभिन्न कोनों में रह रहे हिंदुत्व जीवित रह गए सके. देवघर के नगर पुस्तकालय में हस्ताक्षर अभियान लिया गया. इस दौरान लोगों ने कहा कि भारत के असम, बंगाल और झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ अपना कब्जा करते जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहा है. इसलिए जरूरी है कि भारत में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को अतिशीघ्र उन्हें अपने देश भेजा जाए और उनकी जगह विदेश में रह रहे हिंदुओं को भारत में स्थान दिया जाए ताकि सारे सनातनी एक जगह पर खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें. हस्ताक्षर अभियान में नारायणा टिबरेवाल, बिपेंदर झा, कुमार उर्मिलेश, अनूप केसरी, राजेश केसरी, विजय कुमार पांडे, राजेश तिवारी, शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे. मालूम हो कि इन दिनों बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की चर्चा झारखंड और भारत के कई प्रदेशों में देखने को मिल रही है. इतना ही नहीं बंगाल समेत कई राज्यों में इसका विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. इसके साथ ही झारखंड, असम और बंगाल में लगातार हो रहे घुसपैठ की चर्चा भी जोरों पर हैं. इसी को देखते हुए झारखंड के विभिन्न जिलों में लगातार आक्रोश रैली निकाले जा रहे हैं और सरकार से यह गुहार लगाई जा रही है कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार को लेकर संज्ञान लिया जाए.

मां की मौत के बाद पिता का भी उठ गया था साया चार अनाथ बच्चों की जिंदगी संवारने में जुटा डालसा

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निर्देश पर गठित लीगल सर्विस यूनिट फार चिल्ड्रेन टीम ने राजगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले चार बच्चों का रेस्क्यू कर उन्हें नया जीवन दिया है.

जिला बाल संरक्षण ईकाई के सहयोग से चुंगी राजगंज के रहने वाले चार अनाथ बच्चों को राज्य सरकार के स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिया गया है. जिसके तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में दाखिला करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई.

अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि राजगंज थाना क्षेत्र के चुंगी गांव में चार बच्चे ऐसे हैं, जिनकी मां की मृत्यु पांच माह पहले कैंसर से हो गई थी. कुछ दिन उनके पिता की भी मौत हो गई. इसके बाद से सभी बच्चे गांव में इधर-उधर घूम रहे हैं. इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) सचिव को टीम गठित करने का निर्देश दिया.

सचिव ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश पीयूष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित किया और डीसीपीओ साधना कुमारी, एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक राजेश सिंह, पीएलवी

दीपक कुमार, दिनेश कुमार, काजल कुमारी, रिचा प्रसाद ने राजगंज जाकर चारों बच्चों का रेस्क्यू किया. बच्चों को बाल संरक्षण इकाई के द्वारा पढ़ने के लिए स्कूल बैग किट, डालसा के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा कंबल व भोजन की व्यवस्था की गई. इस मौके पर ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर चारों बच्चों को जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा सरकार के स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ा गया और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की गई. इस मामले में डीसीपीओ साधना कुमारी ने बताया कि बहुत जल्द ही चारों बच्चों को कस्तूरबा गांधी विद्यालय में दाखिला करा दिया जाएगा. फिलहाल बच्चों को उनकी बुआ के पास रखा गया है ताकि उसकी देखभाल सही ढंग से हो सके.

अवनीत कौर ने ब्लैक साड़ी में बिखेरा ग्लैमर वीडियो ने मचाई धूम

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने हालिया इंस्टाग्राम वीडियो से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस वीडियो में अवनीत ब्लैक साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसमें उनका सटल और खूबसूरत मेकअप उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। खुले बालों के साथ उनके इस लुक ने फैंस का दिल जीत लिया।

अवनीत ने वीडियो के साथ केवल गाने का जिक्र किया, लेकिन उनके इस अंदाज ने लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ ला दी। एक फैन ने लिखा, "Pretty in Traditional," तो दूसरे ने तारीफ करते हुए कहा, "Finally, Stunning Look!"?

अपने शानदार फैशन सेंस और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के कारण अवनीत कौर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। हर पोस्ट में उनका अंदाज फैंस को इंप्रेस करता है। ब्लैक साड़ी में उनका यह वीडियो न केवल उनकी खूबसूरती को, बल्कि उनकी ड्रेसिंग स्टाइल को भी नए आयाम देता है। अवनीत कौर की यह पोस्ट उनकी लोकप्रियता और नई पीढ़ी की फैशन आइकॉन के रूप में उनकी पहचान को और मजबूत करती है।

फिल्म निमार्ता सुभाष घई की तबीयत बिगड़ी मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती

मशहूर डायरेक्टर, प्रोड्यूसर सुभाष घई को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कमजोरी महसूस होने और हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक घई को आईसीयू से निकाल कर बाहर डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है।अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम सुभाष घई के स्वास्थ्य पर निगरानी रखे हुए है। लीलावती

अस्पताल के अनुसार सुभाष घई की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया है। इस बीच सुभाष घई के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि अब सुभाष घई की हालत ठीक है। बुधवार को सुभाष घई को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, कमजोरी महसूस हुई और बार-बार चक्कर भी आने लगे। उन्हें बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक बाद में उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया। डॉ नितिन गोखले, डॉ. जलील पार्कर, डॉ. विजय चौधरी जैसे विशेषज्ञ डॉक्टर सुभाष घई का इलाज कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुभाष घई शुरू से ही एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन उनकी किस्मत का पहिया ऐसा घूमा कि एक्टर बनने की चाहरखने वाले सुभाष घई ने कई एक्टर्स को सुपरस्टार बना दिया। राज कपूर के बाद सुभाष घई को बॉलीवुड का दूसरा शोमैन माना जाता है। सुभाष घई ने अपने दशकों लंबे करियर में लगभग 16 फिल्मों का निर्देशन किया है, जिनमें से 13 सुपरहिट रहीं। वर्ष 2006 में उन्हें फिल्म 'इकबाल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2004 में रिलीज हुई ऐतराज का निर्देशन सुभाष घई ने नहीं किया था, लेकिन उन्होंने फिल्म का निर्माण किया था। हाल ही में सुभाष घई ने फिल्म के सीक्वल की भी घोषणा की थी। जिसमें कहा गया था कि वे अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर की जगह नए चेहरे लाएंगे। इसके अलावा संजय दत्त के साथ सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का दूसरा भाग भी जल्द ही देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुभाष घई खलनायक-2 पर भी काम कर रहे हैं

हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने यश मुंबई ईगल्स को हराकर तीसरी बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

एजेंसी

मुंबई। छह दिनों तक चले मनोरंजक और बिना रुके टेनिस एक्शन के बाद, हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने रविवार शाम यश मुंबई ईगल्स को 51-44 से हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। चार श्रेणियों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद, हैरियट डार्ट, बेंजामिन लॉक और विष्णु प्रधान ने हैदराबाद के लिए खिताबी जीत सुनिश्चित की।

फाइनल में यश मुंबई ईगल्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगाई। हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने मैच की शुरूआत दमदार तरीके से की, क्योंकि हैरियट डार्ट ने यश मुंबई ईगल्स की जेनेप सोनमेज के खिलाफ महिला एकल गेम में 14-11 के स्कोर से जीत हासिल की। ??पुरुष एकल में करण सिंह ने हैदराबाद स्ट्राइकर्स के बेंजामिन लॉक को 14-11 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बराबरी दिला दी।

हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने महत्वपूर्ण मिक्स्ड डबल्स गेम में अपना दबदबा बनाया, हैरियट डार्ट और विष्णु वर्धन की जोड़ी ने यश मुंबई ईगल्स के जेनेप सोनमेज और जीवन नेदुनचेझियान को 16-9 से हराकर अपनी टीम को आरामदायक स्थिति में पहुंचा दिया। पुरुषों के युगल वर्ग में, करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान व हैदराबाद स्ट्राइकर्स के विष्णु वर्धन और बेंजामिन लॉक के बीच मैच 10-10 बराबरी पर समाप्त हुआ और हैदराबाद ने 51-44 से खिताब अपने नाम कर लिया।

सेमीफाइनल मुकाबले

दिन की शुरूआत पहले सेमीफाइनल से हुई, जहां लीग लीडर यश मुंबई ईगल्स का सामना सुमित नागल की गुजरात पैंथर्स से हुआ। यश मुंबई ईगल्स की जेनेप सोनमेज ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी और महिला एकल मैच में गुजरात पैंथर्स की एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 से हराया। सुमित नागल ने पुरुष एकल में अपनी टीम के लिए वापसी की और यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह को 14-11 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग के दौरान मैच का रुख बदल गया, जब यश मुंबई ईगल्स के जेनेप सोनमेज और जीवन नेदुनचेझियान ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और विजय सुंदर प्रशांत पर 16-9 से शानदार जीत हासिल की। ??पुरुष युगल वर्ग में, यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान ने गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 10-9 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। अंततः, यश मुम्बई ईगल्स ने पहले सेमीफाइनल में 51-43 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में, हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने राजस्थान रेंजर्स को 51-42 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।। हैदराबाद स्ट्राइकर्स के लिए हैरियट डार्ट ने महिला एकल में क्रिस्टीना दीनू के खिलाफ 14-11 से जीत हासिल करते हुए जोरदार शुरूआत की। पुरुष एकल में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने हैदराबाद स्ट्राइकर्स के बेंजामिन लॉक पर 13-12 से जीत हासिल की। हैदराबाद स्ट्राइकर्स के हैरियट डार्ट और विष्णु वर्धन ने मिश्रित युगल में राजस्थान रेंजर्स के क्रिस्टीना दीनू और रोहन बोपन्ना पर 15-10 से जीत हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष युगल वर्ग में, हैदराबाद स्ट्राइकर्स के विष्णु वर्धन और बेंजामिन लॉक ने पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी के खिलाफ 10-8 से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।

'पुष्पा-२' ने की पहले तीन दिन में रिकॉर्ड कमाई, विश्व में पांच सौ का आंकड़ा पार

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2' इस समय बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। पिछले कुछ दिनों से दर्शक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 'पुष्पा' का पहला भाग वर्ष 2021 में रिलीज हुआ था। इसके बाद करीब 3 साल बाद आई 'पुष्पा-2' बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। 'पुष्पा-2' के मौजूदा कलेक्शन को देखकर साफ है कि फिल्म जल्द ही 400 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी। अल्लू अर्जुन की पुष्पा-2 ने ओपनिंग डे पर ही सारे रिकॉर्ड तोड़कर पूरे भारत में पहले दिन 164.25 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कमाई की। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई कुछ कम हुई। 'पुष्पा 2' ने दूसरे दिन 93.8 करोड़ का कलेक्शन किया, लेकिन तीसरे दिन ये आंकड़ा एक बार फिर सौ करोड़ के पार पहुंच गया है। पुष्पा 2 ने तीसरे दिन 115 करोड़ की शानदार कमाई की है। अब भारत में फिल्म का कुल कलेक्शन 383.7 करोड़ है। इससे साफ है कि फिल्म जल्द ही 400 करोड़ की कमाई कर लेगी। फिल्म 'पुष्पा-2' ने दुनियाभर में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही फिल्म ने शुरूआती तीन दिनों में ही अपनी लगत वसूल कर ली है। 'पुष्पा-2' तीसरे सीक्वल की शुरूआत के साथ समाप्त होती है। इससे पुष्टि होती है कि तीसरा पार्ट आ रहा है। तीसरे सीक्वल का नाम पुष्पा द रैम्पेज होगा। इस तीसरे भाग में दूसरे सीक्वल से ज्यादा समय लगेगा। पुष्पा-3 का प्रोडक्शन शुरू होने में कम से कम 4 साल लगेंगे। पुष्पा द रैम्पेज की शूटिंग 2028 या 2029 में शुरू होने की संभावना है। तीसरे सीक्वल में अल्लू अर्जुन के साथ विजय देवरकोंडा के अभिनय करने की संभावना है।

बीबीएल : मेलबर्न स्टार्स ने एडम मिल्ने के साथ किया करार

एजेंसी

मेलबर्न। मेलबर्न स्टार्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को क्रिसमस से पहले बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए अनुबंधित किया है। वे पाकिस्तान के लेग स्पिनर उसामा मीर की जगह लेंगे, जो इस सीजन के पहले तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

पिछले सीजन के अंत में ग्लेन मैक्सवेल के कप्तान बनने के बाद स्टार्स इस सप्ताह नए कप्तान की घोषणा करने वाले हैं। मैक्सवेल के 15 दिसंबर को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए फिट होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वे अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं और यह देखना बाकी है कि वे क्रिसमस से पहले होने वाले पहले तीन मैचों में से किसी में भी खेल पाएंगे या नहीं।

मीर स्कॉर्चर्स, ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ पहले तीन मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं हैं, जो पांच दिनों के अंतराल में तीन शहरों में खेले जाएंगे। स्टार्स ने उन तीन मैचों के लिए मिल्ने को टीम में शामिल किया है। वह इससे पहले 2020-21 में सिडनी थंडर के लिए बीबीएल में खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 12 मैचों में 7.56 की इकॉनमी रेट से सिर्फ पांच विकेट लिए थे।

मेलबर्न स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, 'एडम जैसी प्रतिभा और अनुभव वाले किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना पहले तीन मैचों के लिए टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। एडम ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानता है, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह क्या कर सकता है।'

मिल्ने टेस्ट ड्यूटी पर मौजूद स्कॉट बोलैंड की अनुपस्थिति को भी कवर करेंगे। स्टार्स को कम से कम पर्थ में शुरूआती गेम के लिए ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की कमी खल सकती है, क्योंकि वह 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में बने रहने के लिए तैयार हैं।

हीट के खिलाफ स्टार्स का दूसरा बीबीएल मैच तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन है, जिसका मतलब है कि वेबस्टर संभावित रूप से उपलब्ध हो सकते हैं यदि उन्हें मिशेल मार्श की फिटनेस के लिए टेस्ट टीम से रिलीज किया जाता है।

स्टार्स को बीबीएल सीजन के शुरूआती तीन मैचों के लिए इंग्लैंड के टेस्ट ओपनर बेन डकेट की भी कमी खल रही है, क्योंकि वह न्यूजीलैंड में अपने टेस्ट कर्तव्यों को पूरा करेंगे, जो क्लार्क 2021-23 से दो सीजन खेलने के बाद स्टार्स में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिस्थापन के रूप में तैयार हैं। क्लार्क ने पिछले सीजन में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए छह गेम और 2020 में स्कॉर्चर्स के लिए तीन गेम भी खेले। उन्होंने हाल ही में गुयाना में ग्लोबल सुपर लीग में विक्टोरिया के लिए खेला।

आसियान चैम्पियनशिप 2024

कंबोडिया और मलेशिया के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रा

एजेंसी

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने रविवार रात नोम पेन्ह के ओलंपिक स्टेडियम में 2024 आसियान चैम्पियनशिप ग्रुप ए के उद्घाटन फुटबॉल मैच में मलेशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। मलेशिया ने 35वें मिनट में मिडफील्डर स्टुअर्ट विल्किन के गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन कंबोडिया ने दूसरे हाफ में अब्देल कादर कूलिबली के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद टाईसा ने कंबोडिया को एक घंटे के अंदर दूसरा गोल कर बढ़त दिला दी। हालांकि, 74वें मिनट में फर्गस टियरनी ने बराबरी का गोल करके मलेशिया को हार से बचाया। फीफा रैंकिंग में कंबोडिया 180वें स्थान पर है, जबकि मलेशिया 132वें स्थान पर है। 2024 आसियान चैंपियनशिप 5 जनवरी, 2025 तक चलेगी। कंबोडिया को मलेशिया, सिंगापुर, ईस्ट तिमोर और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने रविवार को साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया। बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया। रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था। यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबटाडॉरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था। बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी। पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला। हमारा सीजन असाधारण रहा और प्रशंसक किसी से भी ज्यादा इसके हकदार हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है।' बोटाफोगो, जिसने पिछले शीर्ष-स्तरीय खिताब 1968 और 1995 में जीते थे, एक ही साल में ब्राजीलियन सीरी ए और कोपा लिबटाडॉरेस खिताब हासिल करने वाला केवल तीसरा क्लब है। यह उपलब्धि पेले के सैंटोस ने 1962 और 1963 में और फ्लेमेंगो ने 2019 में भी हासिल की थी। बोटाफोगो की टीम अब अपना ध्यान कतर में होने वाले फीफा इंटरकांटिनेंटल कप के उद्घाटन संस्करण पर लगाएगी, जहां बुधवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मैक्सिको के पचुका से होगा।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा

एजेंसी

वेलिंगटन । बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे के तहत सॉयर दिसंबर 2026 तक टीम के प्रभारी होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को उक्त पुष्टि की। सॉयर को पहली बार जून 2022 में नियुक्त किया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने इस साल अक्टूबर में पहली बार टी20 विश्व कप जीता। अब उनके पास 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टूनार्मेंट में खिताब बरकरार रखने का मौका होगा। सॉयर तब भी टीम की कमान संभालेंगे जब न्यूजीलैंड अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का प्रयास करेगा।

एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज ग्रीन ने कहा, 'बेन के अगले दो साल के लिए टीम में शामिल होने से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने इस समूह में बहुत अधिक विश्वास और भरोसा जगाया है और उन्हें अभी टीम में बनाए रखना बहुत बड़ी बात है, मौजूदा टीम और व्हाइट फर्न्स की दीर्घकालिक योजना दोनों के लिए। हमारे कई युवा खिलाड़ी जिन्होंने दो साल पहले बेन के पहले दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वे अब बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसा कि हमने हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में देखा। उस टूनार्मेंट के दौरान बहुत अधिक विकास हुआ, जो पिछले दो वर्षों में बेन और कोचों द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है।'

न्यूजीलैंड की अगली श्रृंखला इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जाएगी, जिसमें 19, 21 और 23 तारीख को तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : प्रधानमंत्री

जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राजस्थान की राजधानी जयपुर के प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में कहा कि आज दुनिया भर के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए भारत ने जो

विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है।आजादी के बाद, सात दशक में भारत, दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले 10 वर्ष में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और वितरण की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करती है। वर्तमान सदी को तकनीक और डेटा की सदी बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने यह दिखाया है कि डिजिटल प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण से हर क्षेत्र और वर्ग को किस प्रकार लाभ पहुंच रहा है। भारत की यूपीआई और डीबीटी योजना सहित ऐसे कई प्लेटफॉर्म डिजिटल बुनियादी ढांचे की ताकत दिखाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की भाजपा सरकार को शानदार आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और बढ़ते बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका नुकसान राजस्थान उठा चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र पर काम कर रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को मिल रहा है।

इंफाल पश्चिम से आरपीएफ (पीएलए) कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने रविवार को इंफाल पश्चिम जिले से आरपीएफ/पीएलए संगठन के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडर की पहचान बुंगचा थौदम उर्फ खंबा (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी इंफाल क्षेत्र में स्थित स्पा केंद्रों से वसूली की गतिविधियों में शामिल था। उसके कब्जे से एक मोबाइल हैंडसेट, पर्स जिसमें 1920 रुपये, एक आधार कार्ड, एक कार बिना पंजीकरण संख्या के तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। ज्ञात हो कि मणिपुर में लगातार विभिन्न संगठनों के उग्रवादियों की गिरफ्तारी हो रही है। इन गिरफ्तारियों को मणिपुर पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और इससे राज्य में अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी।

श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिला आईईडी, सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय

एजेंसी

बारामुला। जिले के पलहालन पट्टन इलाके में श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाकर उसे निष्क्रिय कर दिया।

एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर पट्टन इलाके के पलपोरा पलहालन में आतंकवादियों के लगाए गए आईईडी की जानकारी मिली थी। इस आईईडी को 29आरआर की रोड ओपनिंग पार्टी और पट्टन पुलिस ने देखा था। जिसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। उन्होंने बताया कि आईईडी की जानकारी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर यातायात रोक दिया गया था। बाद में बीडीएस ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से यातायात फिर से शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक घर में विस्फोट, तीन की मौत

बम बनाने के दौरान विस्फोट की आशंका, पुलिस हर पहलू की जांच में जुटी

एजेंसी

मुर्शिदाबाद । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रविवार रात हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना सागरपाड़ा थाना क्षेत्र के खैरतला गांव की है, जहां एक पक्के मकान की छत और दीवार का बड़ा हिस्सा विस्फोट के कारण ढह गया। विस्फोट के बाद धुएं के बीच तीन लोगों के क्षत-विक्षत शव मलबे से बरामद किए गए।

रविवार रात करीब 10 बजे खैरतला गांव में एक मकान के अंदर जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मकान की छत और एक हिस्सा पूरी तरह ढह गया। स्थानीय निवासियों ने मलबे के बीच तीन लोगों के शव देखे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सागरपाड़ा

थाने की पुलिस टीम और बम स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया। विस्फोट स्थल से बड़ी मात्रा में स्प्लिंटर और बम निर्माण सामग्री बरामद हुई।

हादसे में मारे गए लोगों की पहचान मामुन मोल्ला, सगीरुल सरकार और मुस्ताकिन शेख के रूप में हुई है। तीनों खैरतला गांव के ही निवासी थे। पुलिस ने तीनों शवों को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों के परिवार ने दावा किया है कि उनके परिजनों की बम मार कर हत्या की गई है। हालांकि, पुलिस का मानना है कि वे लोग घर के अंदर बम बना रहे थे और इसी दौरान हुई लापरवाही से विस्फोट हुआ, जिसमें उनकी जान गयी है। डोमकल के सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी रस्प्रीत सिंह ने बताया, ₹तीनों के शव मौके से बरामद किए गए हैं। विस्फोट के कारणों की जांच जारी है।₹ पुलिस ने रातभर गांव में तलाशी अभियान चलाया। बम स्क्वॉड की मदद से यह जांच की जा रही है कि कहीं और विस्फोटक तो नहीं छिपाए गए हैं। घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि विस्फोटक सामग्री मकान में कैसे लाई गई और क्या इसे किसी बड़ी आपराधिक साजिश के लिए तैयार किया जा रहा था। मृतकों के परिवार द्वारा लगाए गए हत्या के आरोपों की भी गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस हर एंगल से मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सराफा बाजार में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये से लेकर 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये से लेकर 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारतीय भाषा उत्सव 11 को

रायपुर। राष्ट्रकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती 11 दिसंबर को भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय एवं सरस्वती शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित उत्सव के दौरान भारतीय भाषा और उनमें एकात्मता विषय पर व्याख्यान होगा। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं विचारक डॉक्टर पूर्णेन्दु सक्सेना मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर सच्चिदानंद शुक्ल करेंगे। आयोजन समिति के संयोजक मोहन पवार ने बताया कि उत्सव के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों के सांस्कृतिक दलों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएगी। ज्ञातव्य हो कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को भारतीय भाषा दिवस के रूप में घोषित किया है।

बिहार में 11 दिसम्बर तक घना कोहरा छाया रहेगा, 12 जिलों में बारिश का अलर्ट

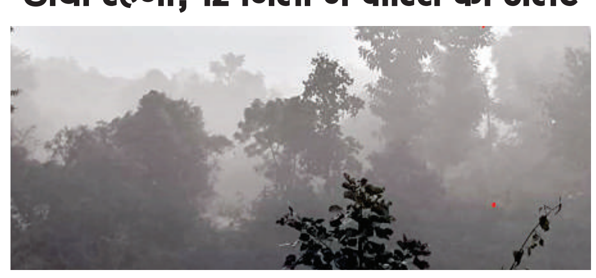

पटना। बिहार में सर्द पछुआ हवा के साथ सुबह के समय अगले दो दिन यानी 11 दिसम्बर तक घने स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके साथ आज बिहार के 12 जिलों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सक्रिय मौसमी सिस्टम के प्रभाव से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे ठंडी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। एक चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण असम के आसपास समुंद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है। उत्तर पश्चिमी भारत में समुद्र तल से 12.1 किलोमीटर ऊपर जेट स्ट्रीम की तेज हवाएं चल रही है। इन मौसमी गतिविधियों की वजह से बिहार में उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व शहरों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जबकि 11 दिसम्बर तक 24 जिलों में घने स्तर का कोहरे छाए रहने की संभावना है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सोमवार की सुबह बिहार के 24 जिलों पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, खगड़िया, बांका, जमुई और मुंगेर जिलों में घना कोहरा छाया रहा।

शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई । हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन शुरूआती 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार

होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयर 1.63 प्रतिशत से लेकर 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, ब्रिटानिया, नेस्ले और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 3.80 प्रतिशत से लेकर 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,411 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,367 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,044 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 106.54 अंक की गिरावट के साथ 81,602.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो गई, जिससे थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 81,781.72 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। शुरूआती 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 269.29 अंक की कमजोरी के साथ 81,439.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 43.90 अंक टूट कर 24,633.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 24,705 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसकी चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 90.20 अंक की गिरावट के साथ 24,587.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 56.74 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,709.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 30.60 अंक यानी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,677.80 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

देहरादून में स्कूल की छत गिरने से छात्राएं घायल, जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

देहरादून। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामपुर कला में छत का प्लास्टर गिरने से कुछ छात्राओं के घायल होने की घटना पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने त्वरित संज्ञान लिया। जिलाधिकारी ने घटना के तुरंत बाद तहसीलदार विकासनगर को छात्राओं के घर भेजकर उनका हालचाल जाना। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं के अभिभावकों से बातचीत कर हरसंभव सहायता और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने घटना को गंभीर मानते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस में पूछा गया है कि स्कूल की मरम्मत क्यों नहीं करवाई गई, और यदि भवन जर्जर था, तो बच्चों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं भेजा गया। सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) और खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित स्कूलों की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण कर जर्जर भवन, मरम्मत की स्थिति और जर्जर भवनों के कारण अन्यत्र स्थानांतरित किए गए बच्चों की जानकारी के साथ प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऐसी घटनाओं में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी स्कूलों का व्यापक सर्वेक्षण करके निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

अब पर्यटन वेबसाइट पर मिलेगी जशपुर के नैसर्गिक जगहों की जानकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं और उसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। अब देशभर के पर्यटन प्रेमी जशपुर की हरी-भरी वादियों की जानकारी के लिए पर्यटन वेबसाइट६६६.ींरी८३१स्र.्ङ्के का उपयोग कर सकते हैं। जशपुर पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। अब पर्यटन वेबसाइट के माध्यम से पर्यटन प्रेमियों को जशपुर के नैसर्गिक जगहों की जानकारी आसानी से मिलेगी।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सोमवार को प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि वैश्विक पर्यटन के नक्शे में जशपुर जिले का शामिल होना सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन के क्षेत्र को समृद्ध बनाने हेतु हमारी सरकार कृत संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जशपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के क्षेत्र में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में स्थित जशपुर जिला शहरी जीवन शैली से और भागदौड़ की जिंदगी से सुकून का अहसास दिलाता है। प्रकृति को नजदीक से जानने के लिए जशपुर एक आदर्श स्थान है। चाहे वह हरे-भरे चाय बागान हो, रॉक क्लाइम्बिंग का रोमांच हो, आदिवासी समुदायों की जीवंत परंपराओं को नजदीक से जानना हो, जशपुर हर यात्री के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। अपने मनमोहक परिदृश्य, ठंडी जलवायु और आदिवासी संस्कृति, रीति रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, पारंपरिक व्यंजन और आत्मीयता से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ, जशपुर एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है जो यात्रा के बाद लंबे समय तक पर्यटकों के साथ रहता है। जशपुर में रूकने के लिए एक सुंदर और आकर्षक सुविधा युक्त सरना एथनिक रिजॉर्ट है। जशपुर में दमेरा, देशदेखा, चाय बगान, सोगड़ा आश्रम, रानीदाह, बगीचा विकास खंड में कैलाश गुफा, खुडियारानी, राजपुरी, दनगरी, मकरभंजा, कुनकुरी विकास खंड में एशिया का सबसे दूसरा बड़ा चर्च, मधेश्वर पहाड़ सबसे बड़ा शिवलिंग, मयाली नेचर कैम्प आदि बहुत सारे पर्यटन स्थल का आनंद लिया जा सकता है।

सीरिया पर रूस का संरा की मध्यस्थता पर जोर, इजराइली बल गोलान हाइट्स के पास

मॉस्को। सीरिया पर विद्रोहियों के नियंत्रण पर रूस ने कहा कि वह हमेशा सीरिया संकट के राजनीतिक समाधान के पक्ष में रहा है। इस समय संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। इस बीच इजराइली सुरक्षा बल गोलान हाइट्स के पास पहुंच गए हैं। द मॉस्को टाइम्स समाचार पत्र ने कहा कि सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनका परिवार मास्को में हैं। रूसी समाचार एजेंसियों ने क्रेमलिन स्रोत का हवाला देते हुए रविवार शाम यह घोषणा की। असद और उनका परिवार दमिश्क में इस्लामी नेतृत्व वाले विद्रोहियों के प्रवेश के कारण देश छोड़कर भागकर यहां पहुंचे। रूस ने युद्धग्रस्त देश में तेजी से बदलती जमीनी स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। रूस ने मानवीय आधार पर असद और उनके परिवार को शरण दी है। क्रेमलिन सूत्र ने यह भी कहा कि जिन विद्रोहियों ने असद को जबरदस्त हमले में अपदस्थ किया, उन्होंने 'सीरिया में रूसी सेना के ठिकानों और राजनयिक संस्थानों की सुरक्षा की गारंटी दी है। रूस का ईरान के टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा है। मॉस्को की सेनाएं 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हुईं। इससे असद की सेनाओं को खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने में सहायता मिली। क्रेमलिन सूत्र ने कहा, 'रूस हमेशा सीरिया संकट के राजनीतिक समाधान के पक्ष में रहा है। हमारा प्रारंभिक बिंदु संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता है।' संयुक्त राष्ट्र में एक रूसी प्रतिनिधि ने घोषणा की कि मॉस्को ने सोमवार दोपहर सीरिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बंद कमरे में बैठक का अनुरोध किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, रूसी अधिकारी सशस्त्र सीरियाई विपक्ष के प्रतिनिधियों के संपर्क में हैं। तास ने अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से कहा कि इजराइली सेना गोलान हाइट्स में सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया जब सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद देश छोड़कर भाग गए हैं। इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ने की संभावना है। दो इजराइली अधिकारियों ने कहा कि इजराइली सेना गोलान हाइट्स के पास इजरायल और सीरिया के बीच असैन्यीकृत बफर जोन में प्रवेश कर गई है। इजराइली सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने कहा कि इजराइल ने सीरियाई क्षेत्र में अपने सैनिकों को तैनात किया है।

इस्कॉन ने जताई बांग्लादेश में नरसंहार की आशंका

कोलकाता। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नरसंहार की आशंका जाहिर की है। इसके साथ ही संगठन ने भारत से बांग्लादेश पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि हालात काबू में आ सके। संगठन के वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर बांग्लादेश में हालात नहीं संभाले गए तो वहां बड़ा नरसंहार हो सकता है। इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने रविवार शाम यह गंभीर बयान दिया। दास ने कहा कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोग इस्कॉन के अनुयायियों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें कट्टरपंथी आम लोगों को उकसा रहे हैं और कह रहे हैं कि ₹इस्कॉन एक कैंसर है, जिसे काटकर ही खत्म किया जा सकता है।दास के अनुसार, ऐसे कट्टरपंथी अपने सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में अनुयायियों को इस्कॉन के अनुयायियों को खत्म करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर के छात्रों का खेल प्रदर्शन सराहनीय

मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर के छात्रों ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा, रांची में आयोजित रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में हुए दो दिवसीय इंटर स्कूल फुटबॉल टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। टूनामेंट में सीबीएसई स्कूलों की 19 टीमों ने भाग लिया। टूनामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच टेंडर हार्ट स्कूल, रांची और ऑक्सब्रिज स्कूल, मांडर के बीच खेला गया, जिसमें ऑक्सब्रिज स्कूल विजेता बनकर उभरा। दूसरा सेमीफाइनल डीएवी विवेकानंद स्कूल, बेड़ो और सेंट जॉन स्कूल, रांची के बीच हुआ, जिसमें सेंट जॉन स्कूल ने जीत हासिल की।

फाइनल मुकाबला ऑक्सब्रिज स्कूल, मांडर और सेंट जॉन स्कूल, रांची के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाया, लेकिन रोमांचक मुकाबले के बाद सेंट जॉन स्कूल, रांची विजेता बना।

इस अवसर पर कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, रांची की प्राचार्या श्रीमती शालिनी विजय, ऑक्सब्रिज पब्लिक स्कूल मांडर के निदेशक मोहम्मद तौफीक आलम, शिशु विकास मंदिर समिति, झारखंड धुर्वा रांची के अध्यक्ष शक्तिनाथ लाल दास, सह मंत्री डॉ. धनेश्वर महतो और सदस्य डॉ. उमाशंकर शर्मा शामिल थे।

अन्य गणमान्य अतिथियों में नर्मदेश्वर मिश्र, लाल अशोक नाथ शाहदेव, ललन कुमार (प्राचार्य), सुश्री मीना कुमारी (उप-प्राचार्या), शुभश्री तिवारी, रमाशंकर सिंह, सुनील कुमार पांडे, प्रेमी टोपनो, विवेकानंद प्रजापति और सतीश कुमार उपस्थित थे।

इस टूनामेंट ने न केवल छात्रों को खेल भावना सिखाई बल्कि उनके कौशल और उत्साह को भी प्रदर्शित किया। आयोजकों और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई।

जमशेदपुर में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में यूसिल कर्मी तपन माझी को गोल्ड मेडल

जमशेदपुर : जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को द ग्रेट झारखंड रन व चौथी मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गई. प्रतियोगिता में झारखंड के 19 जिलों के खिलाड़ियों ने शिरकत की. प्रदेश स्तर पर आयोजित इस खेलकूद प्रतियोगिता में जादूगोड़ा स्थित भारत सरकार के संस्थान यूसिल के प्रोसेसिंग प्लांट में पदस्थापित तपन कुमार मांझी ने लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया. जबकि 100 मीटर फरार्टा दौड़ में उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता. इस उपलब्धि पर यूसिल कर्मियों समेत जादूगोड़ा के लोग काफी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. ज्ञात हो कि यूसिल कर्मी तपन कुमार माझी ने इसके पूर्व चार बार चेन्नई, कोयंबटूर, पुणे व महाराष्ट्र ने आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत कर यूसिल का नाम रोशन किया है.

जादूगोड़ा में हाथियों का उत्पात, खेतों में लगी फसल रौंदी

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा में जंगली हाथियों ने दस्तक दी है. खेतों में लगी धान की फसल की महक से हाथी अब गांवों की ओर रुख कर रहे हैं. शनिवार की रात तीन हाथियों का झुंड जादूगोड़ा के भाटीन गांव के झापार टोला पहुंचा. झुंड में एक बच्चा भी शामिल है. हाथियों ने गांव के उतरा व संतोष सरदार के कई एक-ड़ खेत में लगी धान की फसल को रौंद कर बर्बाद कर दिया. हाथियों ने इसके पूर्व रंकणी मंदिर से सटे धीरोल पंचायत के नूतन डीह गांव में भी उत्पात मचाया. गांव के रामेश्वर सरदार, वैरव सरदार, मनोज सरदार, कार्तिक सरदार,मंगल सरदार व आशीष सरदार के खेतों में घुसकर धान की फसल को रौंद दिया.

ओडिशा से भटक कर आया तीन हाथियों का झुंड जादूगोड़ा के भाटीन गांव से सटे जंगलों में डेरा जमाया है. झुंड में एक बच्चा भी है. हाथियों के उत्पात की सूचना के बाद जादूगोड़ा वन विभाग के वनरक्षी अरुण कुमार ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की. उन्होंने भाटीन व झापार कोचा के ग्रामीणों फटाखों का वितरण किया. इस बाबत अरुण कुमार ने कहा कि हाथी ओडिशा से भटक कर जादूगोड़ा पहुंचे हैं. इन्हें वापस भेजने की तैयारी चल रही है.

हाथियों के उत्पात के बाद भाटीन गांव के झापार कोचा के ग्रामीण खेत में लगी धान की फसल को बचाने के लिए रात भर पुआल जलाकर खेत में रतजगा कर रहे हैं. पीड़ित किसान संतोष सरदार ने बताया कि बीते दो दिनों से हाथी गांव से सटे जंगल में डेरा डाले हुए हैं. शाम होते ही वे गांव के खेतों में उतर आते हैं और धान की फसल को खाने के साथ ही पैर से रौंदकर बर्बाद भी कर रहे हैं. हाथी गांव के तालाब में खूब मस्ती भी करते हैं और सुबह होते ही जंगल में लौट जाते हैं.

निरसा में हाइवा व कंटेनर में टक्कर, बाल-बाल बचे लोग

धनबाद : निरसा चौक पर रविवार को तड़के करीब 4.30 बजे एक हाइवा ने कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी. उस वक्त चौक सुनसान था. अगर आधा-एक घंटे बाद घटना घटित होती, तो कई लोग काल के गाल में समा जाते. क्योंकि उस वक्त लोगों की आवाजाही शुरू हो जाती है. बताया जाता है कि एमपीएल से कोयला अनलोड कर हाइवा निरसा चौक के पास पहुंचा और कोलकाता लेन में जा रहे एक कंटेनर को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाइवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. इससे कुछ देर के लिए एनएच पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कर्रवाई करते हुए एनएच को क्लियर कराया.

स्थानीय लोगों ने बताया कि निरसा-जामताड़ा रोड में सिंद्र मोड़ से निरसा चौक तक हाइवा के परिचालन पर रोक है. इसके बबावजूद हाइवा का परिचालन निरंतर जारी है. प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, घटना चालक की लापरवाही से घटी. बताया जाता है कि चालक शराब के नशे में धुत्त था।

चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक सम्मानित

धनबाद : विधानसभा व लोकसभा चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एग्यारकुंड प्रखंड के स्कूलों के शिक्षकों को रविवार को सम्मानित किया गया. सम्मान समारोह का आयोजन प्रखंड कार्यालय सभागार में किया गया. समारोह में बतौत मुख्य अतिथि धनबाद की सिविल जज सत्यभामा कुमारी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बीडीओ सह सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी मधु कुमारी मुख्य रूप से उपस्थित थीं. समारोह में लोकसभा व विधानसभा चुनाव में निष्ठापूर्वक कार्य सम्पादन करने वाले शिक्षक प्रमोद कुमार झा, अरुण कुमार सिंह, राजीव रंजन मिश्रा, पुरूषोत्तम कुमार सिंह व कन्हैया सिंह को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया. मौके पर एग्यारकुंड सीओ कृष्ण कुमार मरांडी, उप प्रमुख विनोद दास, मुखिया काकुली मुखर्जी, विमल रवानी, अधिवक्ता कृष्णकांत सिंह, नीरज गोयल आदि उपस्थित थे.

हार से धनबाद कांग्रेस में बौखलाहट, समीक्षा बैठक के दौरान जमकर चले लात-घूंसे

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद: जिला की तीन विधानसभा सीट झरिया, बाघमारा और धनबाद में कांग्रेस प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा. इसे लेकर रविवार को धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड स्थित भवन में हार की समीक्षा बैठक बुलाई गयी. जिसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए.

इस बैठक के दौरान कांग्रेस पार्टी के दो पदाधिकारी आपस में ही भिड़ गए, दोनों तरफ से जमकर मारपीट हुई. पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया. वहीं घटना के बाद पार्टी के एक पदाधिकारी मामला दर्ज कराने के लिए सदर थाना भी पहुंच गए, लेकिन मान-मनौवल कर और समझाकर उन्हें वापस बुला लिया गया. अब पार्टी स्तर पर मामले का निपटारा करने की बात कही जा रही. मारपीट की यह घटना उत्सव भवन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बैठक के दौरान हॉल में कांग्रेस एससी सेल के प्रदेश कॉर्डिनेटर पिंटू तुरी और कांग्रेस झरिया प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज

अली के साथ जिला अध्यक्ष संतोष सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा समेत अन्य कार्यकर्ता चाय की चुस्की ले रहे हैं. पिंटू कुछ बोलते हैं. जिसके बाद इम्तिजाज कुर्सी से उठकर पिंटू तुरी पर फैट चला देते हैं. उसके बाद दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई. कार्यकर्ताओं ने दोनों को शांत कराया.

इधर, घटना को लेकर पिंटू तुरी का आरोप है कि झरिया प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज अली ने विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी काम किया है. उन्होंने कहा कि झरिया सीट हम जीतने वाले थे, लेकिन इम्तियाज अली जैसे पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह को हराने का काम किया है. इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो को एक कार्यकारी प्रखंड अध्यक्ष देने की मांग की थी.

मामला संज्ञान में लेते हुए अनुसूचित जाति से झरिया से कार्यकारी प्रखंड अध्यक्ष भगवान दास को नियुक्त कर दिया गया. इसी मामले को लेकर इम्तियाज अली ने समीक्षा बैठक में मुझसे बोले कि तुम पार्टी से हटाने का काम करते हो और फिर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी. मारपीट की लिखित शिकायत देने के लिए मैं सदर थाना भी गया था, लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों के कहने पर मैं वापस आ गया. पार्टी स्तर पर मामला निपटाने आश्वासन दिया गया है.

वहीं समीक्षा बैठक में शामिल हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में जहां भी पार्टी के प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा है उसकी समीक्षा की जा रही है. आज धनबाद, झरिया और बाघमारा सीट की समीक्षा बैठक हुई. पदाधिकारियों के बीच हुई मारपीट के बारे में उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की. उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो इसकी जानकारी लेंगे और मामले का पटाक्षेप करेंगे.

इस संबंध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि समीक्षा समिति की बैठक खत्म हो गई थी. इसके बाद दो कार्यकर्ता आपस में उलझ गए थे. मामले का निपटारा कर दिया गया है.

नक्सली और गैंगस्टर के गठजोड़ से तैयार हुआ था पलामू में डकैतों का गिरोह

पुलिस ने चार सदस्यों को दबोचा

मेट्रो रेज संवाददाता

पलामू: नक्सली और गैंगस्टर के गठजोड़ से डकैतों का गिरोह तैयार हुआ था. गिरोह के सदस्य रोड और घरों में डकैती की घटना को अंजाम देते थे. गिरोह के सदस्य अलग-अलग इलाकों में रहते थे और डकैती की घटना को अंजाम देते थे. पलामू पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. साथ ही आरोपियों के पास से हथियार भी बरामद किया है. जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 अक्टूबर 2024 को पलामू के पांकी थाना क्षेत्र के गजबोर में एक कारोबारी के घर डकैती हुई थी. पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की थी और जांच शुरू की थी.

अनुसंधान के क्रम में पुलिस को सूचना मिली थी कि इस घटना से जुड़े अपराधी पांकी थाना क्षेत्र के ढुब में हैं. इसके बाद पांकी पुलिस ने छापेमारी कर एक आरोपी उपेंद्र कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया. उपेन्द्र की निशानदेही पर पुलिस ने तीन अन्य आरोपी सतीश राम, छोटू कुमार सिंह, शत्रुध्न कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार चारों आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्तौल, दो जिंदा गोली और लूट के जेवर बरामद हुए.

इस संबंध में पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि गिरोह में छह सदस्य शामिल थे. जिनमें तीन पहले ही जेल जा चुके हैं. गिरोह से सोने के जेवर खरीदने वाले रांची के एक कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में सतीश राम और सतीश चंद्रवंशी मास्टरमाइंड है. दोनों पर पलामू के विभिन्न थानों में छह एफआईआर दर्ज है. 2011 में सतीश पुलिस हिरासत से फरार हो गया था.

एसपी ने बताया कि गिरोह से जुड़े हुए गुड्डू उर्फ धर्मेंद्र पर नक्सली घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है जबकि गुलशन कुमार विश्वकर्मा सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़ा हुआ है. गुड्डू भुइयां को लातेहार पुलिस ने गिरफ्तार का जेल भेज दिया है जबकि गुलशन की गिरफ्तारी पूर्व में ही हो चुकी है. छापेमारी में लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा, इंस्पेक्टर पूनम टोप्पो, थाना प्रभारी राजेश रंजन, सब इंस्पेक्टर संतोष गिरी, अनूप टोपनो, श्याम भगत समेत अन्य जवान शामिल रहे.

चतरा जिला को विकास के साथ-साथ लोगों की समस्याओं का निष्पादन करना उपायुक्त रमेश घोलप की विशेषता है

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2012 बैच के लोकप्रिय, कर्मठ एवं लोगों की पीड़ा व्यथा जानने के साथ ही उसके समाधान हेतु गंभीर प्रयास करना चतरा के उपायुक्त रमेश घोलप की उपलब्धि और विशेषता है। चतरा जिला जो कभी नक्सल और विकास की कमी के कारण उपेक्षा का दंश झेल रहा था। वहीं उपायुक्त के रूप में योगदान देने वाले रमेश घोलप के सार्थक प्रयास और पहल का ही परिणाम है कि चतरा जिला अब विकास के मार्ग पर चल पड़ा है और इस जिला में विकास गति काफी बेहतर मानी जा रही है। चतरा जिला में 38वें उपायुक्त के रूप में 4 मार्च 2024 को योगदान देने वाले रमेश घोलप 9 माह के कार्यकाल में ही जिला को विकसित और बेहतर जिला बनाने में भी सफल रहे हैं। जन समस्याओं के निराकरण हेतु सतत प्रयत्नशील रहने वाले उपायुक्त के बेहतर कार्यप्रणाली का ही यह परिणाम है कि जिला में विकास गति काफी बेहतर मानी जा रही है। यही नहीं उपायुक्त श्री घोलप लोगों की पीड़ा और समस्या जानने के लिए उनसे मिलने के साथ-साथ उनके व्यथा और समस्या को सुनने और जानने के तत्क्षण उसके समाधान हेतु भी कारगर पहल किया करते हैं जिससे जिला प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और साख दोनों बढ़ा है। उपायुक्त के बेहतर संवेदना का ही यह उदाहरण है कि कई घंटों तक वे लोगों से मिलकर उनकी पीड़ा को हर संभव जानने और सुनने का कार्य करते हैं। जिलावासी भी ऐसे उपायुक्त के कार्यों से काफी हर्षित हैं क्योंकि जिला के सर्वोच्च अधिकारी उनके बातों को जानने और सुनने के लिए हमेशा तत्पर हैं। श्री घोलप इससे पूर्व सरायकेला, कोडरमा, गढ़वा में भी लोकप्रिय उपायुक्त के रूप में पदस्थापित रह चुके हैं। ऐसे उपायुक्त से निश्चित तौर पर राज्य और जिला गौरवान्वित होता है।

दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया

चाईबासा : दोहरे हत्याकांड से आक्रोशित ग्रामीणों ने एक और उग्रवादी को मार गिराया है. चाईबासा जिले के ग्रामीण नक्सलियों के खिलाफ एकजुट हो गये हैं और जन आंदोलन छेड़ दिया है. चाईबासा के गुदड़ी और गोइलकेरा इलाके के 100 गांवों के करीब 15 हजार से ज्यादा ग्रामीण तीर-धनुष, तलवार और पारंपरिक हथियार के साथ सड़क पर उतर आये हैं. ग्रामीण चार दिन से इन इलाकों में पहाड़ी के 40 किमी दायरे में ऑपरेशन सेंदरा (शिकार) चला रहे हैं. इस क्रम में ग्रामीणों ने पीएलएफआई के ग्रुप लीडर मेटा टाइगर को तीर से मार गिराया था. इसके बाद ग्रामीणों ने मोटा टाइगर के शागिर्द गोमिया नामक उग्रवादी को भी गुदड़ी में घेरकर रविवार को मार दिया. हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

गुदड़ी के गिरू गांव में 24 नवंबर को रवि तांती और खूंटी निवासी सनसा टोपनो की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी थी. इस वारदात में परिवार के अन्य सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचायी थी. घटना में गुदड़ी पुलिस ने पीएलएफआई कमांडर मोटा टाइगर व गोमिया पर हत्या व उग्रवादी हिंसा का केस दर्ज किया था.

चक्रधरपुर के भूमि सुधार उपसमाहर्ता कुशलमय केनेथ मुण्डू के योगदान देने से कार्य में आयी है तेजी

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर के भूमि उपसमाहर्ता के रूप में के. के. मुण्डू ने 20 अक्टुबर 2023 को 21वें भूमिउपसमाहर्ता के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात से ही इनके द्वारा विभागीय कार्यों में तेजी आयी है तथा चक्रधरपुर अनुमण्डल अन्तर्गत सातों प्रखण्ड में संबंधित कार्यों का निस्पादन तेजी के साथ पूर्ण किये जा रहे हैं। श्री मुण्डू ने अपने पदस्थापनाकाल के चैदह माह में ही चक्रधरपुर अनुमण्डल के सभी अंचलों में विभागीय अधीन कार्यों को दुर्त गति से सम्पादित करने के लिए निरंतर कारगर प्रयास

किया और इसी का यह सार्थक परिणाम है कि वर्तमान समय में भूमि सुधार उपसमाहर्ता अधीन कार्यों का दुर्त गति से निस्पादन और कार्यों को भरपुर गति दी गयी है। चक्रधरपुर अनुमण्डल में कई वर्षों के पश्चात स्थायी भूमि उपसमाहर्ता के स्थापना की गयी। इससे पूर्व आदित्य राम 17/09/2008 से लेकर 29/02/2012 तक पदस्थापित रहें। इसके पश्चात यह पद निरंतर रिक्त रहा और स्थाई भूमि उपसमाहर्ता के रूप में के. के. मुण्डू ने 20 अक्टुबर 2023 को योगदान दिया और इनके योगदान देने के पश्चात से लम्बित कार्यों का निस्पादन एवं विभाग अधीन कार्यों को ससमय निस्पादित कर अपने बेहतर कार्यप्रणाली का परिचय भी दिया है। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग और जिला गौरवान्वित होता है।

मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन, 171601 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

मेट्रो रेज संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा श्री राजकमल मिश्रा ने मार्गदर्शन में 8 दिसंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सदर प्रखण्ड परिसर स्थित नए टाउन हॉल में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर का शुभारंभ प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री सुभाष, पुलिस अधीक्षक श्री हारिस बिन जमां, डीडीसी श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, एसडीओ श्री अमित कुमार, प्रभारी डालसा सचिव श्रीमती अर्चना कुमारी और सदर प्रखण्ड बीडीओ श्री गौरी शंकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। सभी अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय ने कहा कि सशक्तिकरण का अर्थ है कि सरकार के द्वारा लोगों के लिए चलाई योजनाओं का लाभ लोगों को मिल जाए। सरकार जो योजना चलाती है उसका मुख्य उद्देश्य होता है उस योजना का लाभ लाभुकों को मिले। ताकि वे अपने पैरों में खड़े होकर अपना कार्य कर अपनी आजीविका चला सकें। उन्होनें यह भी कहा कि यदि किसी को कानूनी संबंधी जानकारी चाहिए वे डालसा कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते है। जहां उन्हें कानून संबंधित उचित सलाह दी जाएगी। वहीं उन्होंने 14 दिसंबर को व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी लोग लोक सेवा के लिए निरंतर लगे हुए है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर बिना डर और घबराहट के स्थानीय थाना जाएं। वहीं कई टॉल फ्री नंबर जारी किए गए हैं उसमें बात करें। यदि जाने में असमर्थ हैं तो ऑनलाइन या फोन में माध्यम से शिकायत करें। समस्या का समाधान

किया जाएगा। वहीं प्रभारी डालसा सचिव अर्चना कुमारी ने कहा कि जानकारी के आभाव में लाभुक योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते है। वहीं उन्होंने कहा कि शिविर में दी गई विधिक जानकारी को अपने तक सीमित नहीं रखें। अपने क्षेत्र के लोगों को इसके बारे में बताए। वहीं लगभग 350 लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के साथ परिसंपति का वितरण किया गया। जिसमें महिला समूह के बीच 4 करोड़ 44 लाख रुपए की परिसंपति का वितरण किया गया। साथ ही मनरेगा अंतर्गत 9 लाभुकों के बीच गाय/सुकर शेड निर्माण के लिए 11,16,024 रुपए, मनरेगा अंतर्गत 6 लोगों को नया जॉब कार्ड, अबुआ आवास योजना अंतर्गत 5 लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 5 लाभुकों का गृह प्रवेश, बीज का वितरण, जन्म प्रमाण पत्र, सावित्री बाई फुले समृद्धि योजना सहित अन्य योजनाओं का वितरण किया गया। वहीं जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी शिविर का आयोजन किया गया। जिसके किस्को प्रखण्ड में डिप्युटी चीफ एलएडीसीएस श्री नारायण साहू, सहायक एलएडीसीएस श्री सुदामा साहू, कुडू प्रखण्ड में अधिवक्ता सह मध्यस्त श्री प्रवीण भारती और मध्यस्त श्री युगल किशोर, सेन्हा प्रखण्ड में डिप्युटी चीफ एलएडीसीएस श्री उमेश साहू, भंडरा प्रखण्ड में सहायक एलएडीसीएस श्रीमती इंद्राणी कुजूर, पेशरार प्रखण्ड में अधिवक्ता सह मध्यस्थ श्री लाल धर्मेंद्र देव और कैरो प्रखण्ड में एलएडीसीएस चीफ श्री नसीम अंसारी और सहायक एलएडीसीएस भूपेंद्र कुमार उपस्थित रहे। वहीं किस्को प्रखण्ड में 1368 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 35 लाख रुपए की परिसंपति, सेन्हा प्रखण्ड में 51 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 3,29,000 रुपए की परिसंपति, कैरो प्रखण्ड में 179 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 13,48,500 रुपए की परिसंपति, कुडू प्रखण्ड में 169591 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 31,11,60,816 रुपए की परिसंपति, भंडरा प्रखण्ड में 62 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 34,76,204 रुपए की परिसंपति का वितरण किया गया। मौके पर निलेश तिर्की, स्वाति नम्रता एक्का, पीएलवी नेम्हंति मिंज, गौतम लेनिन, दुखिता मिंज, रोहित कुमार, छाया देवी, रवि कुमार, देवमनी कुमारी, अमित दुबे, सदर प्रखण्ड के कर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।